राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार,13अक्टूबर2020 वर्ष–3, अंक –257 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लीबिया में 14 सिंतवर को अगवा किए गए थे बिहार सहित 4 राज्यों के 7 भारतीय

मोदी सरकार के एक्शन से सभी सुरक्षित रिहा

नई दिल्ली। लीबिया में अगवा किए गए सात भारतीय नागरिकों को रिहा कर दिया गया है। ट्यूनिशिया में भारत के राजदूत ने रविवार को यह जानकारी दी। आपको बता दें कि जिन सात भारतीयों की बीते 14 सितंबर को लीबिया के अश्शरीफ अपहरण किया गया था वे आंध्र प्रदेश, बिहार, गुजरात और उत्तर प्रदेश राज्यों के रहने वाले हैं। ट्यूनिशिया में भारतीय दूत पुनीत रॉय कुंडल ने न्यूज एजेंसी एएनआई को उनकी रिहाई की खबर की पुष्टि की। आपको बता दें कि लीबिया में भारत दूतावास नहीं है। ट्यूनिशिया स्थित भारतीय मिशन ही लीबिया में भारतीयों के के लिए काम करता है। गुरुवार को भारत ने पुष्टि की थी कि पिछले महीने लीबिया में उसके सात नागरिकों का अपहरण कर लिया गया था और उनकी रिहाई के लिए हर संभव प्रया स किए जा रहे हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा था कि अपहृत श्रमिक सुरक्षित हैं और ट्यूनिशिया में भारतीय मिशन उन्हें मुक्त करने के प्रयासों के लिए लीबिया सरकार के संपर्क में है।

MEA के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने कहा था, ट्यूनिशिया में हमारा दूतावास, जो लीबिया में भारतीय नागरिकों के कल्याण से संबंधित मामलों को संभालता है, लीबिया के सरकारी अधिकारियों तक पहुंच गया है। वहां मौजूद अंतर्राष्ट्रीय संगठनों ने भी भारतीय नागरिकों को बचाने में उनकी मदद लेने के लिए नियोक्ता को नियुक्त किया है।÷ उन्होंने यह भी कहा था कि अपहरणकर्ताओं द्वारा संपर्क किया गया और सबूत के तौर पर दिखाया गया कि भारतीय नागरिक सुरक्षित हैं और अच्छी तरह से रख रहे हैं। सितंबर 2015 में भारतीय नागरिकों को वहां की सुरक्षा स्थिति के मद्देनजर लीबिया की यात्रा से बचने के लिए एक सलाह जारी की गई थी।

सुशांत सिंह राजपूत केस–रिया चक्रवर्ती के वकील बोले–उन्हें बर्बाद करने की कोशिश करने वालों को छोड़ेंगे नहीं

नई दिल्ली। रिया चक्रवर्ती को रिहा हुए चार दिन हो गए हैं और अब उनके वकील का एक बयान सामने आया है। जिसमें उन्होंने कहा है कि वो उन लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की योजना बना रहे हैं। रिया चक्रवर्ती के वकील, एडवोकेट सतीश मानेशिंदे ने रविवार को एक बयान जारी कर कहा मैंने कहा था कि एक बार जब रिया चक्रवर्ती जमानत पर बाहर हो जाती है, तो हम उन लोगों के पीछे जाना शुरू कर देंगे। जिन्होंने उन्हें बदनाम किया और उनके मनोबल को गिराने की कोशिश वो भी सिर्फ इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर फेक न्यूज चलाकर दो मिनट की ग्लोरी के लिए।

हम केंद्रीय जांच ब्यूरो को उन लोगों की एक सूची को आगे बढ़ाएंगे, जिन्होंने टीवी और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर फर्जी और झूठे दावे किए। जिसमें सुशांत सिंह राजपूत मामले पर मोबाइल रिकॉर्डिंग और फर्जी ख़बरों को शामिल किया गया। विशेष रूप से रिया चक्रवर्ती के संदर्भ में। हम सीबीआई से जांच को गुमराह करने के लिए उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही शुरू करने का अनुरोध करेंगे।

रिया के वकील का संदर्भ विशेष रूप से रिया की पड़ोसी डिंपल थवानी के लिए था जिन्होंने ये बयान दिया कि किसी ने उन्हें बताया कि सुशांत सिंह 13 जून को रिया को घर छोड़ दिया था। मनशिंदे ने कहा की सीबीआई ने उनका बयान रविवार को दर्ज किया था। रिया चक्रवर्ती को पिछले महीने सुशांत सिंह राजपूत के मामले में गिरफ्तार किया गया था। उन पर आरोप लगाया गया था कि वे सुशांत को नशीली दवाओं का सेवन कराती थी। 7 अक्टूबर को उन्हें रिहा कर दिया गया था। राजपूत के परिवार ने आरोप लगाया था कि चक्रवर्ती ने राजपूत के खाते से 15 करोड़ रुपये इधर-उधर किए हैं।रिया पर ये भी आरोप लगाए गए थे कि उव्होंने सुशांत को दूसरों से अलग किया था और सुशांत के क्रेडिट कार्ट भी उनके ही पास थे।

भारत एक से अधिक कोरोना वैक्सीन के इस्तेमाल पर कर रहा है विचार, स्वास्थ्य मंत्री बोले- कमजोर तबके को पहले

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने रविवार को कहा कि कोरोना वायरस के संक्रमण से लोगों को बचाने यानी हर किसी का टीकाकरण के लिए एक से अधिक वैक्सीन निर्माता के साथ गठजोड़ करना होगा। साथ ही उन्होंने कहा कि यह भी सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि सबसे कमजोर समूह इसे पहले प्राप्त करें।

मंत्री ने कहा, भारत के बड़े जनसंख्या आकार को ध्यान में रखते हुए, एक टीका या वैक्सीन निर्माता पूरे देश में टीकाकरण की आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम नहीं होगा। इसलिए, हम भारतीय आबादी के लिए उनकी उपलब्धता के अनुसार देश में कई कोरोना टीकों को पेश करने की व्यवहार्यता का आकलन करने के लिए तैयार हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने रविवार को कहा कि सरकार ने भारत में कोविड-19 टीके के आपातकालीन प्रयोग की मंजूरी पर फिलहाल कोई निर्णय नहीं किया है। मंत्री ने कहा कि कोरोना का पता लगाने के लिए फेलूदा पेपर स्ट्रिप जांच अगले कुछ हफ्ते में शुरू की जा सकती है।

हर्षवर्धन ने कहा कि वर्तमान में कोविड-19 टीका मानव क्लीनिकल परीक्षण के पहले, दूसरे और तीसरे... विभिन्न चरणों में है जिसके परिणाम की प्रतीक्षा है। स्वास्थ्य मंत्री सोशल मीडिया के अपने प्रशंसकों के साथ संडे संवाद प्लेटफॉर्म पर बातचीत कर रहे थे।

उन्होंने कहा, रोगियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की खातिर टीके के आपातकालीन प्रयोग की अनुमति देने के लिए पर्याप्त सुरक्षा और प्रभावी आंकड़ों की जरूरत होगी। आंकड़ों के आधार पर ही आगे की कार्रवाई निर्भर करेगी। मंत्री ने पहले कहा था कि कोविड-19 टीका 2021 की प्रथम तिमाही में उपलब्ध हो सकता है।

आर्थिक कारणों से युवा और कामकाजी लोगों को कोविड-19 का टीका लगाने को प्राथमिकता देने के कयासों से इनकार करते हुए हर्षवर्धन ने कहा, कोविड-19 टीका लगाने के लिए समूहों की प्राथमिकता दो मुख्य बातों पर निर्भर करेगी -- पेशेवर खतरा और संक्रमण का जोखिम, गंभीर बीमारी होने का खतरा तथा बढ़ती मृत्यु दर।

इस मुद्दे पर कि सरकार किस तरह से कोविड-19 के टीके को लाने की योजना बना रही है, उन्होंने कहा कि यह विचार है कि शुरुआत में टीके की आपूर्ति सीमित मात्रा में उपलब्ध होगी।

मंत्री ने कहा, भारत जैसे बड़े देश में टीके की आपूर्ति को प्राथमिकता देना कई कारकों पर निर्भर करता है जैसे संक्रमण का खतरा, विभिन्न जनसंख्या समूह के बीच अन्य रोगों का प्रसार, कोविड-19 मामलों के बीच मृत्यु दर और कई अन्य। उन्होंने कहा कि भारत विभिन्न प्रकार के टीकों की उपलब्धता पर गौर कर रहा है जिनमें से कुछ विशिष्ट उम्र वर्ग के लिए उपयुक्त हो सकते हैं जबकि अन्य उस आयु वर्ग के लिए उपयुक्त नहीं हो सकते हैं।

बिहार फिर शर्मसार! दानापुर में मदद के बहाने बिहिया की नाबालिग से 4 युवकों ने किया गैंगरेप

पटना। बिहार फिर शर्मसार। आशियाना से दानापुर जंक्शन ट्रेन पकड़कर अपने घर बिहिया जाने के लिए निकली नाबालिग लड़की शनिवार की रात रास्ते में दरिंदगी की शिकार हो गई। ऑटो में बैठने के बाद चालक की नीयत खराब हो गई। ट्रेन नहीं होने व रात होने की बात कहकर ऑटो चालक ने नाबालिग लड़की को बहलाया-फुसलाया। बाद में उसे दानापुर थाना क्षेत्र के लेखानगर स्थित एक गोदाम में ले गया। जहां ऑटो चालक ने अपने तीन अन्य साथियों के साथ नाबालिग से गैंगरेप किया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने पीड़िता से घटना की जानकारी ली। केस दर्ज कर पुलिस ने तीन नामजद आरोपितों राजेश, तुलसी और कल्लू को गिरफ्तार कर लिया, जबकि फरार ऑटो चालक टमाटर उर्फ करमू की तलाश की जा रही है।

ऑटो में पहले से सवार था एक, दो को फोन कर बुलाया

पीड़िता की उम्र करीब 14 वर्ष है। उसके मुताबिक, वह आशियाना में एक महिला के यहां दाई का काम करती थी। शनिवार की रात किसी बात को लेकर मकान मालकिन से उसका झगड़ा हो गया। गुस्से में आकर वह अपने घर बिहिया जाने के लिए पैदल ही निकल पड़ी। सगुना मोड़ पहुंचने के बाद दानापुर स्टेशन जाने के लिए एक ऑटो पकड़ा। ऑटो में चालक टमाटर उर्फ करमू का साथी राजेश बैठा था। दोनों बातचीत करते हुए दानापुर स्टेशन के लिए चल पड़े। कुछ दूर जाने पर चालक ने कहा कि बिहिया जाने के लिए कोई ट्रेन नहीं है। रात में अकेले जाना ठीक नहीं है। मेरे घर चलिए और मेरे बच्चों का देखभाल कीजिएगा। पीड़िता दोनों के झांसे में आ आ गई। इसके बाद चालक उसे ऑटो से अपने घर ले जाने लगा। रास्ते में ही चालक और उसके दोस्त ने अपने दो साथियों तुलसी और कल्लू को भी फोन कर दिया। बताया गया है कि लेखा नगर निवासी सुबोध सिंह के मकान में कल्लू ने एक गोदाम किराये पर ले रखा है।

अभी और एक महीना नहीं खुलेगा स्कूल, जानें क्यों हिचक रहे हैं राज्य

नयी दिल्ली। कोरोना महामारी के कारण देशभर में स्कूल, कॉलेज-विश्वविद्यालय 16 मार्च से ही बंद चल रहे हैं. अब केंद्र सरकार ने 15 अक्तूबर से इन्हें क्रमिक तरीके से पुनः खोलने की मंजूरी दे दी है, लेकिन लगभग सभी राज्य इस महीने स्कूल खोलने के मूड में नहीं दिख रहे. पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, गुजरात समेत कई राज्य तो दीपावली के बाद ही इस बारे में सोचना चाहते हैं. दीपावली इस साल 14 नवंबर को पड़ रही है. केंद्र की ओर से जारी दिशानिर्देशों में शिक्षण संस्थानों को पुनः खोलने का अंतिम निर्णय राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों पर छोड़ा गया है. कुछ राज्यों ने नौवीं से बारहवीं तक के छात्रों के लिए स्कूलों को सीमित स्तर पर खोला है या खोलने की तैयारी है. दिल्ली सरकार ने स्कूलों को 31 अक्तूबर तक बंद ही रखने का फैसला किया है. इसके बाद हालात की समीक्षा की जायेगी. कर्नाटक सरकार ने कहा है कि उसे स्कूलों को पुनः खोलने की कोई हड़बड़ी नहीं है और वह सभी पहलुओं का अध्ययन करने के बाद इस बारे में निर्णय लेगी. छत्तीसगढ़ सरकार ने कहा है कि राज्य के स्कूल महामारी के मद्देनजर अगले आदेश तक बंद रहेंगे. महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजीत पवार ने कहा कि दीपावली के बाद मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे हालात का आकलन कर कोई फैसला लेंगे. गुजरात सरकार का भी ऐसा ही मत है. राज्य शिक्षा विभाग के सचिव विनोद राव ने कहा कि दीपावली की छुट्टियां बीतने के बाद कोरोना संक्रमण संबंधी हालात का आकलन कर स्कूल फिर से खोलने पर विचार करेंगे. वहीं, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि स्कूलों को फिर से खोलने पर फैसला मध्य नवंबर के बाद ही लिया जायेगा. हरियाणा सरकार छठी से नौवीं कक्षा तक के छात्रों के लिए स्कूलों को फिर से खोलने पर विचार कर रही है, ताकि वे शिक्षकों से मार्गदर्शन प्राप्त कर

सकें, लेकिन इस बारे में अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ है. आंध्र प्रदेश सरकार ने भी दो नवंबर तक सामान्य तरीके से कक्षाएं बहाल नहीं करने का फैसला किया है. मध्यप्रदेश के स्कूल शिक्षा राज्यमंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि प्रदेश में आठवीं तक के बच्चों के लिए स्कूल फिलहाल नहीं खुलेंगे. राज्य में 21 सितंबर से सीमित छात्रों के साथ 9वीं से 12वीं के लिए स्कूलों को खोला गया है. बंगाल, महाराष्ट्र, गुजरात समेत कई राज्य दीपावली बाद ही करेंगे विचार.

उत्तर प्रदेश- बड़े बच्चों के लिए 19 से खुल सकेंगे स्कूल- लखनऊ. उत्तर प्रदेश सरकार ने घोषणा की है कि नौवीं से बारहवीं तक की कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए 19 अक्तूबर से पुनः खोले जा सकेंगे. उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा ने कहा कि शारीरिक दूरी के पालन के लिए कक्षाएं पालियों में होंगी. छात्रों को अपने अभिभावकों की लिखित अनुमति जमा करनी होगी.

कर्नाटक-30 तक छुट्टी, ऑनलाइन क्लास भी नहीं होंगी- बेंगलुरु. कर्नाटक में कई शिक्षकों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की खबरों के मद्देनजर मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने रविवार को राज्य में सभी प्रकार की स्कूली गतिविधियों के लिए 12 से 30 अक्टूबर तक छुट्टी का आदेश दिया है. इस दौरान ऑनलाइन शिक्षा का 'विद्यागमा कार्यक्रम' भी बंद रहेगा.

ठंड और त्योहारों के दौरान बढ़ सकता है संक्रमण, भीड़ से दूर रहें लोग- हर्षवर्धन -केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने लोगों को आगाह किया कि ठंड के मौसम और त्योहारों के दौरान कोरोना संक्रमण बढ़ सकता है. ऐसे में यदि लोग त्योहार मनाने के लिए भीड़ एकत्र करते हैं, तो हम एक बड़ी मुसीबत में पड़ सकते हैं. उन्होंने लोगों से भीड़ से दूर रहने का आग्रह किया है. उन्होंने कहा कि मेला और पंडालों में जाने के बजाय घर में ही अपने प्रियजनों के साथ उत्सवों का आनंद लें.

वैक्सीन के इमरजेंसी इस्तेमाल पर फैसला नहीं, जल्द शुरू हो सकती है 'फेलूदा जांच'- केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने कहा कि सरकार ने देश में कोरोना वैक्सीन के इमरजेंसी इस्तेमाल की मंजूरी पर फिलहाल कोई निर्णय नहीं किया है. इसकी अनुमति देने के लिए सुरक्षा और प्रभाव संबंधी पर्याप्त आंकड़ों की जरूरत होगी. इसके आधार पर ही कोई फैसला लिया जा सकगा. कहा कि कोरोना का पता लगाने के लिए 'फेलूदा पेपर स्ट्रिप' जांच अगले कुछ हफ्ते में शुरू की जा सकती है.

मनरेगा के लक्ष्य को बढ़ाने की योजना बना रही केंद्र सरकार, ग्रामीणों को रोजगार देने के प्रयास

नई दिल्ली। भारत के चालू वित्त वर्ष की हालात सबसे ज्यादा मंदी के दौर में है। इसी के चलते केंद्र ने अपने प्रमुख ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत किया है। जिसमें हर पांच भारतीयों में से एक का नामांकन किया गया है। इसका लक्ष्य है 320 करोड़ दिनों का काम प्रदान करना ये पहले के मुकाबले 40 करोड़ अधिक है। ये दुनिया की सबसे बड़ी रोजगार योजना है जिसे कोरोना महामारी के बीच लोगों के लिए पेश किया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश समेत घनी आबादी वाले 8 राज्यों ने केंद्र से मनरेगा के तहत नई वर्क लोकेशन के लिए अनुरोध किया है। कई अर्थशास्त्रियों ने तर्क दिया है कि बढ़ती बेरोजगारी और मजदूरी में कटौती के कारण आने वाले महीनों में देश को मांग को झटका लग सकता है। भारतीय रिज़र्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने शुक्रवार को भविष्यवाणी की कि भारत की अर्थव्यवस्था इस वित्त वर्ष में 9.5% की कमी झेल सकती है जो देश की सबसे खराब मंदी है।

मई में सरकार ने अपने प्रोत्साहन पैकेज के हिस्से के रूप में 1 लाख करोड़ तक की बढ़ोतरी के लिए मनरेगा के बजट को बढ़ाने के लिए अलावा 40,000 करोड़ का भुगतान किया। इसने पहले काम के 281 करोड़ दिनों के अनुमान से लेकर 300 करोड़ दिनों के रोजगार के लक्ष्य को भी उठाया। अधिकारियों ने कहा कि 221.9 करोड़ दिनों का काम पहले ही 7 अक्टूबर तक पूरा हो चुका था। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय के आंतरिक नोट बताते हैं कि मई से हर महीने श्रमिकों की औसत संख्या वित्त वर्ष 2019-20 में इसी महीने की तुलना में काफी अधिक रही है। एक नोट में कहा गया है, मई में पेश किए जाने वाले व्यक्तियों की औसत संख्या 2.51 करोड़ प्रति दिन है, जो पिछले साल मई में दिए गए प्रस्ताव की तुलना में 73 प्रतिशत अधिक है, जो प्रति दिन 1.45 करोड़ व्यक्ति था। इसी तरह, जून में प्रति दिन औसतन 3.35 करोड़ लोगों को काम की पेशकश की गई, जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 92% अधिक है। ÷ नोट में बताया गया कि जुलाई औसत 114% अधिक था, अगस्त (97%), सितंबर (86%) और अक्टूबर औसत पिछले वर्ष की तुलना में 109% अधिक था।

कांग्रेस के लिए अपना ही प्रदर्शन दोहराने की चुनौती, इस बार मांगने होंगे JDU के खिलाफ वोट, कम हो सकता है स्ट्राइक रेट

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा में कांग्रेस के सामने अपना ही प्रदर्शन दोहराने की चुनौती है। पार्टी इस बार पिछले विधानसभा चुनाव के मुकाबले ज्यादा सीट पर चुनाव लड़ रही है, पर गठबंधन का स्वरुप बदल गया है। पार्टी को इस बार उसी जेडीयू के खिलाफ वोट मांगने होंगे, जिसके साथ गठबंधन में उसने 2015 के चुनाव में पिछले दो दशक में सबसे अच्छा प्रदर्शन किया।

कांग्रेस इस बार वर्ष 2015 के मुकाबले काफी ज्यादा सीट पर चुनाव लड़ रही है। पिछले चुनाव में कांग्रेस ने 41 सीट पर चुनाव लड़कर 27 सीट दर्ज की थी। जबकि इस बार पार्टी 70 सीट पर किस्मत आजमा रही है। पार्टी को उम्मीद है कि वह अपना पुराना प्रदर्शन बरकरार रखने में सफल रहेगी,

कांग्रेस इस बार वर्ष 2015 के मुकाबले काफी ज्यादा सीट पर चुनाव लड़ रही है। पिछले चुनाव में कांग्रेस ने 41 सीट पर चुनाव लड़कर 27 सीट दर्ज की थी। जबकि इस बार पार्टी 70 सीट पर किस्मत आजमा रही है। पार्टी को उम्मीद है कि वह अपना पुराना प्रदर्शन बरकरार रखने में सफल रहेगी, पर कई नेता मानते हैं कि पार्टी की स्ट्राइक रेट कम हो सकता है। बिहार विधानसभा चुनाव में बीस से अधिक सीट हासिल करने के लिए कांग्रेस को पूरे 15 साल इंतजार करना पड़ा है। वर्ष 2000 के विधानसभा चुनाव में पार्टी को 23 सीट मिली थी। पर वर्ष 2005 में हुए चुनाव में पार्टी सिर्फ 10 सीट ही हासिल कर पाई। इसके बाद 2010 के चुनाव में कांग्रेस के चार उम्मीदवार ही जीत पाए। जबकि कांग्रेस सभी 243 सीट पर चुनाव लड़ी थी। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने स्वीकार किया कि बिहार की मौजूदा राजनीतिक हालात में पार्टी के अपना पिछले प्रदर्शन दोहराना यकीकन एक चुनौती है। क्योंकि, गठबंधन बदल गए हैं। वर्ष 2015 में कांग्रेस, राजद और जेडीयू का वोट एकजुट था, इस बार जेडीयू भाजपा के साथ चुनाव लड़ रही है। जाहिर है, चुनाव पर इसका असर होगा पर पार्टी पूरी कोशिश कर रही है।

पार्टी का मानना है कि चुनाव में 27 सीट जीतने के बाद नेताओं और कार्यकर्ताओं के हौसले बढ़े हैं। यह उम्मीद जगी है कि बिहार में कांग्रेस अपना प्रदर्शन सुधार सकती है। प्रदेश कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। खासकर कोरोना में प्रवासी मजदूरों की वापसी को लेकर उन पर सवाल उठे हैं। ऐसे में राजद-कांग्रेस और लेफ्ट पार्टियों का गठबंधन चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करेगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लेंस अनुसार आईशैडो चुनने के टिप्स

काले नैन यूं तो हमेशा से ही आपकी खूबसूरती में चार-चांद लगाते आए हैं, लेकिन इन दिनों फैशन और ग्लैमर की इस दुनिया में अधिकतर युवतियां अपनी आं खों को डिफरेंट लुक देने के लिए कलर लेंसेस का प्रयोग करती नजर आ रही हैं। ऐसे में आई-मेकअप करते वक्त यदि आईशैड का चुनाव आपकी आंखों के रंग को ध्यान में रखकर किया जाए तो आई-मेकअप और भी ज्यादा आकर्षक दिख सकता है। पर्मानेंट मेकअप एक्सपर्ट और एल्पस कॉस्मेटिक क्लीनिक की एक्जीक्यूटिव डॉयरेक्टर गुंजन गौड़ से जानते हैं लेंस मुताबिक आईशैडो चुनने के 5 टिप्स।

ब्लू आईज यानी नीली आंखें- यदि आपकी आंखें हल्की गहरी या किसी भी तरह के शेड से नीली हैं, तो आपके लिए बेस्ट शेड्स सिल्वर, टरॉइश या फ्यूशिया हैं। ये तीनों ही शेड्स ब्लू के किसी भी शेड को निखारते हैं।

हेजल आईज- ये आंखें अधिकतर हरी-सी दिखती हैं। इनके साथ ब्राउन, खाकी, डार्क ग्रीन और प्लम शेड बखूबी चलते हैं। वैसे गोल्ड, लाइमग्रीन, ब्राइट पर्पल शेड्स इन आंखों के लिए परफेक्ट माने जाते हैं।

ब्राउन आईज- ऐसी आंखें गुलाबी, पर्पल, प्लम ब्राउन, ऑरेंज, पीच व गहरे नीले रंग में खूबसूरत दिखती हैं।

ग्रीन आईज- हरे रंग की आंखों वाली महिलाएं ब्राउन के सभी शेड्स में खिलती हैं जिनमें हल्के बेज से लेकर डीप चॉकलेट ब्राउन तक शामिल हैं। पर्पल, पिंक व रेड भी हरी आंखों को कॉम्प्लिमेंट करते हैं।

ब्लैक आईज- वैसे तो आप कजरारी आंखों पर किसी भी रंग का आईशैड ट्राई कर सकती हैं। लेकिन मैटेलिक शेड्स में ऐसी आंखें और भी ज्यादा खूबसूरत नजर आती हैं।

सर्दियों में पानी पीने से न चूकें अपनायें कुछ तरीके

सर्दियों में प्यास कम लगती है, लेकिन यदि आप सेहतमंद रहना चाहते हैं तो हर दिन पानी की जरुरत को पूरा करना चाहिये। सर्दी हो या गर्मी, हर मौसम में अधिक मात्रा में पानी पीना चाहिए। विशेषज्ञों के मुताबिक महिलाओं में प्रायः यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन की समस्या होती है। इस वजह से उनके शरीर को पानी की अधिक जरुरत होती है। हम जो भी खाना खाते हैं, उसे पचाने के लिए पर्याप्त पानी की जरूरत होती है। इसके अलावा शरीर के मेटाबॉलिज्म, पाचन शक्ति और एब्जरप्शन के लिए पानी बहुत जरूरी है। इसके लिए आप कुछ तरीके अपना सकती हैं ताकि सर्दियों में पानी पीने से न चूकें-

बाहर जाने पर अक्सर पानी की आवश्यकता होने पर आपको पानी नहीं मिल पाता और आप अक्सर रुककर इसे खरीदने में सक्षम भी नहीं होती। इस वजह से पानी की मात्रा कम लेती हैं। इसलिए जब भी आप घर से बाहर जायें, तो हर बार पानी की बोतल अपने साथ जरूर लेकर जायें। बोतल साथ होने से पानी पीने की अधिक संभावना रहती है।

सर्दियों में कई तरह की हरी सब्जियां मिलती हैं , जिनसे शरीर को पानी मिलता है। आप चाहें तो खाने से पहले सूप लें और जूस भी ले सकती हैं। इससे भी पानी की कमी पूरी हा जो ती है।

सोते समय पानी को अपने पास रखें ताकि रात को नींद खुलने पर इसे आसानी से पी सकें। रात को पानी लाने के चक्कर में कई बार प्यास लगने पर भी पानी पीने नहीं जाती और सुबह पानी पीने की अच्छी आदत भी नहीं अपना पाती। इस वजह से सात या आठ घंटे बिना पानी के रहने के कारण शरीर को भी डिहाइड्रेट कर देती हैं।

स्वाद जोड़ने के लिए अपने पानी में कोई जड़ी बूटी या फल के टुकड़े मिला सकती हैं, ताकि इसे पीने के लिए तत्पर रहें। वैसे नींबू, संतरा और मिंट सबसे आम फ्लेवर है लेकिन आप अपने पसंदीदा या कुछ नया लेने का भी प्रयास कर सकती हैं। कृत्रिम फ्लेवर की बजाय प्राकृतिक फ्लेवर को अपनायें।

अगर आपको अन्य पेय जैसे जूस, चाय, सॉफ्ट ड्रिंक या काफी पीने की आदत हैं, तो इसे पानी के साथ बदलने का प्रयास करें। ध्यान रहें कि सॉफ्ट ड्रिंक और पैक फलों के जूस में चीनी बहुत ज्यादा होती है। जबकि पोषण तत्व बिल्कुल भी नहीं होते सिर्फ कैलोरी की आपको जरूरत नहीं है।

अल्फाज नहीं अंदाज बताते हैं मोहब्बत का पता..

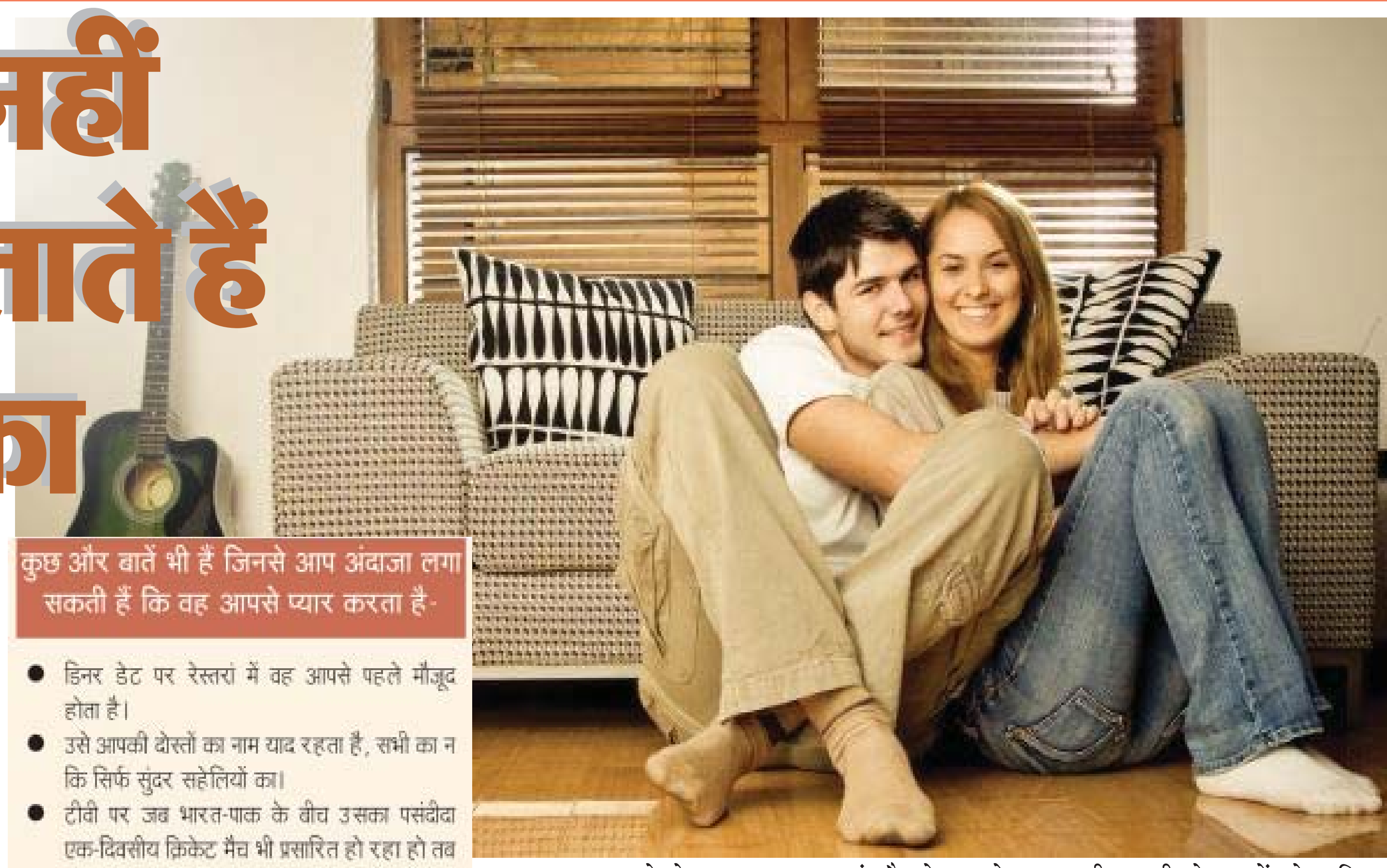

कुछ और बातें भी हैं जिनसे आप अंदाजा लगा सकती हैं कि वह आपसे प्यार करता है-

- डिनर डेट पर रेस्तरां में वह आपसे पहले मौजूद होता है।
- उसे आपकी दोस्तों का नाम याद रहता है, सभी का न कि सिर्फ सुंदर सहेलियों का।
- टीवी पर जब भारत-पाक के बीच उसका पसंदीदा एक-दिवसीय क्रिकेट मैच भी प्रसारित हो रहा हो तब भी वह आपके काम के लिए समय निकाल लेता है।
- वह आपके परिवार के बारे में आपसे मालूम करता है।
- वह आपको वह राज भी बता देता है जो उसके सबसे अच्छे और करीबी दोस्त ने इस शर्त पर बताया था कि वह किसी को नहीं बतायेगा।
- रश ऑवर के दौरान भी आपको एयरपोर्ट से पिक करने में उसे कोई परहेज नहीं है।

वो मेरे हैं, मुझे मिल जाएंगे, आ जाएंगे इश्क में ऐसे ख्यालात ने दिल तोड़

बेगम अख्तर ने जब यह गाया था, उससे पहले भी और आज भी महिलाओं के सामने यही सवाल है- वह मुझे प्यार करता है.. वह मुझे प्यार नहीं करता? भाषा अक्सर बनावटी होती है, लेकिन हरकतें सच बोलती हैं और ये अल्फाज से ज्यादा कुछ बोल जाती हैं या कहिए राज खोल जाती हैं। कम से कम प्यार के मामले में मदरे के संदर्भ में यही बात ठीक मालूम होती है।

अब प्रश्न यह है कि उनकी खामोशी की व्याख्या आप किस तरह करेंगी? आपको यह मालूम कैसे होगा कि वह आपसे, बिना मुंह खोले, आई लव यू कह रहे हैं? सवाल कठिन हैं, पर डोंट वरी। अगर आपने प्यार करने की हिम्मत की है तो अल्फाजों से इतर अंदाजों को समझने की भी कोशिश आपको ही करनी है। हम आपकी इस मायने में कुछ मदद करेंगे। आप यहां लिखी बातों को ध्यान से पढ़ें और बहुत सी बातों को बिना कहें ही समझना सीखें।

वह आपको बिना पलक झपकाये देख रहा है और आप भांप जाती हैं। आंखें मर्द की आत्मा की खिड़की से भी कुछ ज्यादा होती हैं। आंखें उस कहानी को कह डालती हैं जो उसके दिल से बाहर निकलने के लिए बेचैन हो रही होती हैं। लेकिन जज्बात का इजहार करने में मर्द एहतियात बरतते हैं। वह भी औरतों की तरह बहुत कुछ अपने सीने में दफन रखते हैं या यूं कहें कि उनकी भी हिम्मत उलझन में रहती है। फिर भी एक तरीका है बॉडी लैंग्वेज से समझने का। अगर वह पूरे झुकाव के लिए अपनी आंखों को लॉक कर ले यानी बेशर्मी से आपको घूरे, तो वह अपने रक्षा कवच को गिराकर आपको अपनी आंखों (या दिल) में बसाना चाहता है। यह जुबान समझने में आपको मुश्किल हो, लेकिन अगर वाकई आप समझ चुकी हैं, तो आप आंख मूंदकर यकीन कर सकती हैं। कम से कम आंखों का अंदाज आज भी झूठ बोलने की कला बिल्कुल नहीं सीख पाया।

जिसको आप डेट कर रही हैं, अगर वह अकेला है तो उसकी मोहब्बत का पता उसका किचन भी देती है। अगर वह वाकई आपसे मुहब्बत कर रहा है और आपको अपनी जिंदगी का बेस्ट हॉफ बनाने को तैयार है तो वह अपने किचन में उन चीजों को स्टाक करता है जो आपको पसंद हैं। मसलन, आपको लेमन-लाइम जूस पसंद है, तो फिर भले वह उसे छूना भी पसंद न करे, बावजूद इसके वह इसे अपने रेफ्रिजरेटर में स्टाक करके रखता है। इसका मतलब है आप उसके दिलो-दिमाग पर और जहां उम्मीद न की जाती हो, उन जगहों पर भी छायी रहती हैं- जैसे बाजार में जब वह खरीदारी कर रहा होता है।

शेखचिल्ली का खिताब पाना लड़कों के लिए अक्सर आसान होता है। फिर भी कई बार ऐसी हरकतों से भी सच का मुकम्मल पता मिलता है। अगर वह आपको बताता है कि अब से तीन बरस बाद वह कहां रह रहा होगा, तो इसका मतलब यह नहीं है कि आपको अपनी उड़ान की कहानी सुना रहा है। वह आपको आपकी कहानी सुना रहा है। जी, हां! वह आपको बता रहा होता है कि वह तीस साल बाद आपके साथ कहां होगा और क्या इसमें किसी किस्म की आप तब्दीली करना चाहती हैं?

वास्तव में इस तरह की कहानियों को लेकर मनोविद कहते हैं कि इसकी व्याख्या दो तरह से की जा सकती है। एक, वह आपको छोड़ देगा क्योंकि वह आपसे लम्बा साथ नहीं चाहता। दो, यह उसका तरीका है बताने का कि वह भविष्य में भी आपका साथ चाहता है। इनमें से दूसरी बात ज्यादा सही लगती है क्योंकि जिसे बीच में राह बदलनी हो वह अपनी दूर की योजनाओं को जाहिर नहीं करता।

लोगों के बीच में वह बिल्कुल आपके बराबर में खड़ा होता है। जब आप बाहर साथ हों, उस वक्त वह कहां खड़ा होता है, यह बहुत महत्वपूर्ण संकेत है। इससे जाहिर हो जाता है कि आप उसके जीवन में किस जगह हैं। दरअसल वह आपको ही नहीं, पूरी दुनिया को बता रहा होता है कि आपके सबसे नजदीक वह है और किसी भी दूसरे के लिए आप उपलब्ध नहीं हैं। एक तरह से आपके साथ सटकर उसका खड़ा होना दूसरे को यह बताना है कि आप उसकी हैं।

उसके लिए जो फोन कॉल आती है, अगर वह उसे आपको उठाने देता है तो यह भी इस बात का संकेत है कि आप उसके जीवन में सबसे महत्वपूर्ण हैं। उसके पास आपसे छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है। दरअसल पुरु षों को अक्सर यह नहीं मालूम होता कि फोन लाइन के दूसरी तरफ क्या बड़ा खतरा खड़ा हो। उस पार पूर्वप्रेमिका भी हो सकती है जो ताजा रिश्तों में दरार डालने की ताक में हो या अपने बेटे पर हर पल निगरानी रखने वाली मां भी हो सकती है। अगर घंटी बजते ही इस टाइम बम को उठाने की वह आपको इजाजत देता है, तो इसका अर्थ यह है कि वह आपसे किसी बात को छिपाये रखना नहीं चाहता।

कैप में दिखें कमाल

अब तक फैशन की दौड़ में सिर्फ कपड़ों को ही शामिल किया जाता था, लेकिन अब कैप्स ने भी फैशन की दुनिया में अपनी जगह बना ली है। शायद यही वजह है कि टोपी को नापसंद करने वाले लोग भी इन्हें खुश होकर पहनने लगे हैं। और जब बात सर्दी की हो, तो कैप की अहमियत कुछ ज्यादा ही बढ़ जाती है। इस ठिठुरने वाली सर्दी में बिना टोपी के बाहर निकलने के बारे में सोचना भी मुश्किल है। तो क्यों न ऐसी कैप को चुना जाए जो आपको ठंड से तो निजात दिलाए, साथ ही आपको अपने लु क के साथ समझौता भी न करना पड़े। आइए हम बताते हैं, इन दिनों मार्केट में आए कैप्स के डिजाइन के बारे में-

➔ टर्बन कैप

टर्बन कैप दिखने में जितनी अलग होती है, उतना ही आरामदायक व स्टाइलिश भी। अगर आपके भीतर बुनाई का हुनर है तो आप टर्बन कैप को घर पर भी बना सकती हैं, साथ ही अपनी क्रिएटिविटी से इसमें कुछ डिजाइन भी बना सकती हैं। कैप के टर्बन पैटर्न में आगे की तरफ एक नॉट होती है। जो दिखने में काफी अच्छी लगती है। इसके यूनिक पैटर्न के कारण टर्बन कैप्स अक्सर रैंपवॉक में भी दिखाई देती है।

➔ बीनी कैप

यह कैप सिर से एकदम चिपकी हुई होती है। आजकल मार्केट में बहुत सारे कलर्स व डिजाइन में बीनी कैप मिलती है, लेकिन आप चाहें तो खुद भी घर पर यह कैप बना सकती है। इनमें आप बुनाई के अतिरिक्त बटन्स व बीड्स के जरिए भी कैप को सजा सकती हैं।

➔ टैपर कैप

टैपर हैट में कुछ हद तक फर का इस्तेमाल भी किया जाता है। यह कैप मं की कैप नहीं होती, लेकिन फिर भी इससे कान बहुत अच्छे से ढक जाते हैं। इसलिए ठंड के मौसम के हिसाब से एकदम परफेक्ट है। इसमें एक डोरी भी होती है जिससे आप कैप को अच्छे से बांध देते हैं। यह कैप जींस व लांग बूट के साथ काफी अच्छी लगती है।

➔ डिफरेंट स्टाइल

कैप्स के डिजाइंस की आजकल कोई लिमिट नहीं है। छोटी लड़कियों के लिए जहां मार्केट में प्रिसेंज कैप मिल रही है, वहीं कॉलेज गोइंग गर्ल्स के लिए मफलर कैप, बकेट कैप आदि ट्राई की जा सकती है। इसके अतिरिक्त टुक कैप व निटेड कैप भी लड़कियों द्वारा काफी पसंद की जा रही है। आप भी अपनी पंसदीदा कलर्स व डिजाइन में कैप का चयन कर सकती हैं।

➔ फर कैप

फर कैप आजकल मार्केट में काफी चलन में हैं। हालांकि यह स्टाइल काफी पुराना है, लेकिन गर्ल्स के बीच इसका क्रेज कभी भी कम होता दिखाई नहीं देता। इसकी एक बड़ी वजह यह भी है कि फर कैप न सिर्फ ढेरों कलर्स व स्टाइल में मौजूद है, बल्कि बहुत से इंटरनेशनल स्टार्स भी इन्हें काफी पसंद करते हैं।

क्रांति समय

वेपार

मंगलवार, 13 अक्टूबर 2020

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रोत्साहन पैकेज पर कांग्रेस ने साधा निशाना, बताया 'ऊंट के मुंह में जीरा'

नई दिल्ली: कांग्रेस ने राज्यों को 12 हजार करोड़ रुपये के ब्याजमुक्त कर्ज देने समेत वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की घोषणाओं को 'ऊंट के मुंह में जीरा' करार देते हुए सोमवार को कहा कि अब सरकार को ठोस आर्थिक नीति बनाने, जीएसटी को तर्कसंगत करने और उपभोक्ताओं के हाथ में सीधे पैसे देने का कदम उठाना चाहिए ताकि देश 'भयंकर मंदी' से बाहर निकल सके। पार्टी प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार को राज्यों को नए निवेश के लिए पैसे देने चाहिए और उनसे कर्ज लेने के लिए कहने के बजाय खुद कर्ज लेना चाहिए। उन्होंने संवाददाताओं से बाचतीत में कटाक्ष करते हुए कहा, ''वित्त मंत्री ने जो घोषणाएं की हैं उनके बारे में मैं यह कहूंगा कि आज निर्मला सीतारमण तीन योजनाएं- 'अपने पैसे, खर्च करो ऐसे', 'तेरा पैसा, तुझको अर्पण' और 'उंट के मुंह में जीरा' लेकर आई हैं।'' वल्लभ ने कहा, ''बाजार में मांग बढ़ाने का आत्मज्ञान सरकार को महीनों बाद क्यों आया है और यह भी पर्याप्त नहीं है। हम कई महीनों से कह रहे हैं कि मांग बढ़ाने और अर्थव्यवस्था में जान डालने के लिए लोगों के हाथ में सीधे पैसे दीजिए। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने इस पर प्रधानमंत्री को पत्र भी लिखा था। लेकिन अब तक कोई कदम नहीं उठाया गया।'' उनके मुताबिक, वित्त मंत्री ने कहा कि खर्च बढ़ाने के लिए राज्यों को 12 हजार करोड़ रुपये दिये जायेंगे। जबकि राज्यों का कुल बजट लाखों करोड़ रुपये है। ऐसे में इस 12 हजार करोड़ रुपये को ऊंट के मुंह में जीरा कहा जाएगा। उन्होंने कहा, ''ठोस आर्थिक नीतियां बनाइए, मांग बढ़ाइए और जीएसटी तर्कसंगत बनाइए। जनता को मूर्ख बनाने का काम मत करिए। ताकि हम भयंकर मंदी और भयंकर बेरोजगारी से बाहर आ सकें।'' कांग्रेस के डाटा विश्लेषण विभाग के प्रमुख प्रवीण चक्रवर्ती ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार का 20 लाख करोड़ रुपये का पैकेज विफल साबित हुआ है। गौरतलब है कि वित्त मंत्री ने सोमवार को कहा कि आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिये केंद्र सरकार राज्यों को 12,000 करोड़ रुपये का ब्याज मुक्त कर्ज उपलब्ध करायेगी। कर्ज 50 साल की अवधि का होगा और यह पूंजीगत परियोजनाओं पर खर्च करने के लिये दिया जायेगा। उन्होंने इस साल केंद्रीय कर्मचारियों को अवकाश यात्रा रियायत (एलटीसी) के एवज में नकद वाउचर देने की घोषणा की है। इन वाउचर का इस्तेमाल सिर्फ ऐसे गैर-खाद्य सामान खरीदने के लिए किया जा सकता है जिनपर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) लगता है। वित्त मंत्री के अनुसार, सरकार ने अपने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को त्यौहारों के मौके पर 10,000 रुपये का ब्याज मुक्त अग्रिम देने का फैसला भी किया है। उपभोक्ता खर्च बढ़ाकर अर्थव्यवस्था में मांग बढ़ाने की योजना के तहत सरकार ने यह कदम उठाया है।

वालमार्ट, फ्लिपकार्ट समूह ने निंजाकार्ट में किया अतिरिक्त निवेश

नयी दिल्ली, वालमार्ट और फ्लिपकार्ट समूह ने बेंगलुरू की की निंजाकार्ट में निवेश करने की सोमवार को घोषणा की। निंजाकार्ट एक कारोबारों (बी2बी) को सेवा देने वाली वाली एक आपूर्ति श्रृंखला कंपनी है।हालांकि कंपनियों ने कितनी राशि का निवेश किया है, इसका खुलासा नहीं किया। इस लेनदेन के माह के अंत तक पूरा होने की उम्मीद है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि आने वाले महीनों में निंजाकार्ट इस राशि का उपयोग नए बाजारों में पहुंच बढ़ाने और उभरते उपभोक्ताओं के लिए आपूर्ति श्रृंखला और नयी पेशकश देने में करेगी।इससे पहले वालमार्ट और फ्लिपकार्ट ने दिसंबर 2019 में भी कंपनी में निवेश किया था। निंजाकार्ट की स्थापना 2015 में तिरुकुमारन नागार्जन, कार्तिस्वरण के.के., आशुतोष विक्रम, शरथ लोगनाथन और वासुदेवन चिन्नाथांबी ने की थी। कंपनी में टाइगर ग्लोबल, एक्सेल, टैंग्लिन, स्टीडव्यू, सिंजेंटा, नंदन नीलेकणि और क्वालकॉम इत्यादि ने भी निवेश किया है।

राज्यों को मिलेगा 12000 करोड़ का ब्याज मुक्त कर्ज, जानिए किस राज्य के हिस्से में कितनी आएगी राशि

नई दिल्ली:

आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिये केन्द्र सरकार राज्यों को 12,000 करोड़ रुपये का ब्याज मुक्त कर्ज उपलब्ध करायेगी। कर्ज 50 साल की अवधि का होगा और यह पूंजीगत परियोजनाओं पर खर्च करने के लिये दिया जायेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को अचानक बुलाये गये संवाददाता सम्मेलन में इस योजना की घोषणा करते हुये कहा कि 12,000 करोड़ रुपये की राशि में से 1,600 करोड़ रुपये पूर्वोत्तर राज्यों को और 900 करोड़ रुपये उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश को दिए जाएंगे। वित्त मंत्री ने बताया कि 7,500 करोड़ रुपये की राशि शेष राज्यों को दी जाएगी। वहीं 2,000 करोड़ रुपये उन राज्यों को दिए जाएंगे जिन्होंने पहले बताये गये सुधारों को पूरा कर लिया होगा। सीतारमण ने योजना के बारे में जानकारी देते हुये कहा कि पूरी राशि नई या मौजूदा पूंजीगत परियोजनाओं पर खर्च की जा सकेगी। सीतारमण ने कहा कि राज्य ठेकेदारों और आपूर्तिकर्ताओं के लिए बिलों का निपटान भी इससे कर सकते हैं, लेकिन पूरी राशि का भुगतान 31 मार्च, 2021 से पहले करना होगा। उन्होंने कहा कि यह कर्ज राज्यों की उधारी सीमा से अलग होगा। 50 साल बाद राज्यों को इसका भुगतान एक बार में करना होगा। वित्त मंत्री ने केंद्र सरकार द्वारा 25,000

करोड़ रुपये के अतिरिक्त पूंजीगत व्यय की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह अतिरिक्त राशि सड़क, रक्षा ढांचे, जलापूर्ति और शहरी विकास पर खर्च की जाएगी। यह 4.13 लाख करोड़ रुपये के निर्धारित बजट के अतिरिक्त होगी।

इंटेल, आईआईआईटी-हैदराबाद, पीएचएफआई, तेलंगाना सरकार खोलेंगे 'एप्लाइड एआई रिसर्च सेंटर'

नयी दिल्ली, प्रौद्योगिकी कंपनी इंटेल ने सोमवार को एक नया कृत्रिम मेधा (एआई) शोध केंद्र शुरू करने की घोषणा की। यह केंद्र वह आईआईआईटी-हैदराबाद, पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पीएचएफआई) और तेलंगाना सरकार के साथ मिलकर खोलेगी। इस नए 'एप्लाइड आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) रिसर्च सेंटर' में स्वास्थ्य देखभाल और स्मार्ट परिवहन प्रणाली को लेकर एआई समर्थित समाधान खोजने पर ध्यान दिया जाएगा। आधिकारिक बयान के मुताबिक उद्योग, शैक्षिक जगत और सरकार के साथ आने के चलते केंद्र आबादी के स्तरीय आंकड़ों का समूह बनाने, आधुनिक एआई, आईपी सृजन से प्रौद्योगिकी विकास और उद्यमिता को बढ़ावा देने पर ध्यान लगाएगा। एप्लाइड एआई रिसर्च सेंटर की पेशकश 'ऑल डॉट एआई 2020 वर्चुअल शिखर सम्मेलन' के दौरान की गयी थी। हैदराबाद स्थित यह केंद्र देश में एआई क्षेत्र में नेतृत्व तैयार करने में उत्प्रेरक के तौर पर काम करेगा। यह नवोन्मेष और उद्यमिता को बढ़ावा देगा।

पश्चिम बंगाल के रेस्तरां मालिकों को त्यौहारी मौसम में बैठने की क्षमता बढ़ने की उम्मीद

कोलकाता, होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ ईस्टर्न इंडिया (एचआरएईआई) ने सोमवार को पश्चिम बंगाल सरकार के त्यौहारी मौसम के दौरान रेस्तरां में ग्राहकों के बैठने की सीमा 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 75 प्रतिशत करने की उम्मीद जतायी। संगठन ने राज्य के मुख्य सचिव को इस संबंध में पत्र लिखा है। पिछले हफ्ते भेजे पत्र में संगठन ने रेस्तरां परिचालन को व्यवहारिक बनाए रखने और लोगों की नौकरियां सुरक्षित रखने के लिए बैठने की सीमा बढ़ाने का आग्रह किया है। एचआरएईआई के अध्यक्ष सुदेश पोद्दार ने कहा, ''हमें आशा है कि राज्य सरकार रेस्तरां, होटलों और बार की मदद करेगी। सरकार इनमें लोगों के बैठने की क्षमता बढ़ाएगी। (कोविड-19 संकट के चलते रेस्तरां इत्यादि में ग्राहकों के बैठने की क्षमता तय की गयी है।)'' पोद्दार ने कहा कि 'अनलॉक 3' के दौरान रेस्तरां और बार को दोबारा खोले जाने के बाद से बिक्री में कमी बनी हुई है। वहीं कोविड-19 से जुड़े परिचालन मानकों को अपनाने के चलते लागत भी कई गुना बढ़ गयी है। उन्होंने कहा कि घाटे के चलते कई रेस्तरां बंद हो गए हैं। जबकि उसने अपने सदस्य रेस्तरां मालिकों से लोगों को आकर्षित करने के लिए छूट की पेशकश करने के लिए कहा है।

पारले जी ने लिया बड़ा फैसला, सोशल मीडिया पर होने लगा ट्रेंड कंपनी का नाम

नई दिल्ली:

कोरोना वायरस महामारी के बीच पारले जी ने बिक्री के मामले में 80 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया और सोशल मीडिया पर इसकी खूब चर्चा हुई। अब पारले जी कंपनी का नाम सोशल मीडिया पर एक बार फिर ट्रेंड कर रहा है, लेकिन इस बार कारण एकदम अलग है। दरअसल, कंपनी ने फैसला किया है कि वह न्यूज चैनलों पर अपने प्रोडक्ट का विज्ञापन नहीं करेगी और यह कदम सोशल मीडिया यूजर्स को खूब पसंद आया। इसके बाद ट्विटर पर **#ParleG** ट्रेंड करने लगा। प्रमुख विज्ञापनदाताओं और मीडिया एजेंसियों का कहना है कि वे इसपर बारीकी से नजर रख रहे हैं। इसके बार पारले जी ने यह फैसला किया है। पारले जी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कंपनी समाज में जहर घोलने वाले कंटेंट को प्रसारित करने वाले समाचार चैनलों पर विज्ञापन नहीं देगी। पारले जी से पहले बजाज कंपनी ने घोषणा की कि वह कथित रूप से 'जहरीली आक्रामक सामग्री' प्रसारित करने वाले समाचार चैनलों पर विज्ञापन नहीं देगी। बता दें कि कुछ समाचार चैनलों द्वारा कथित तौर पर टीवी दर्शकों की संख्या यानी टीआरपी में छेड़छाड़ की रिपोर्ट आने के बाद यह फैसला किया गया है। इस मामले में जांच जारी है। इंडियन सिविल लिबर्टीज यूनियन ने ट्विटर पर **ParleG** के इस फैसले की घोषणा की है और बताया है, 'पारले प्रोडक्ट्स ने जहरीली आक्रामक सामग्री प्रसारित करने वाले समाचार चैनलों पर विज्ञापन नहीं देने का फैसला किया है। ये चैनल उस प्रकार के नहीं हैं, जिस पर कंपनी पैसा खर्च करना चाहती, क्योंकि यह उसके लक्षित उपभोक्ता नहीं है। बजाज और पारले की अगुवाई में अन्य कंपनियों के जुड़ने का समय आ गया है। पारले जी कंपनी के इस फैसले की सोशल मीडिया पर लोग जमकर तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने कहा, 'बहुत अच्छा। सम्मान। ज्यादा से ज्यादा कंपनियों को इस रास्ते पर चलना चाहिए।' दूसरे यूजर ने लिखा, 'यह सिर्फ शुरुआत हो सकती है, आशा है कि अधिक कंपनियां इसका पालन करेंगी और हमें एक सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा।

यूटीआई एएमसी का शेयर कारोबार के पहले दिन 14 प्रतिशत टूटा

नयी दिल्ली. यूटीआई एसेट मैनेजमेंट कंपनी का शेयर सोमवार को कारोबार के पहले दिन अपने निर्गम मूल्य 554 रुपये के मुकाबले 14 प्रतिशत नुकसान के साथ बंद हुआ। बीएसई में शेयर निर्गम मूल्य के मुकाबले 13.97 प्रतिशत की गिरावट के साथ 476.60 रुपये पर बंद हुआ। शुरूआती कारोबार में यह 11.50 प्रतिशत के नुकसान के साथ 490.25 पर सूचीबद्ध हुआ था। कारोबार के दौरान यह 14.96 प्रतिशत टूटकर 471.10 रुपये इक्विटी तक चला गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में कंपनी का शेयर 9.74 प्रतिशत नुकसान के साथ 500 रुपये पर खुला। बाद में यह 13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 481.50 रुपये पर बंद हुआ। कंपनी का बाजार पूंजीकरण बीएसई में 6,042.68 करोड़ रुपये रहा। कंपनी के 2,160 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को 2.31 गुना अभिदान मिला था। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 552 से 554 रुपये प्रति शेयर था। निप्पन लाइफ इंडिया एसेट मैनेजमेंट और एचडीएफसी एएमसी के बाद यह शेयर बाजारों में सूचीबद्ध होने वाली तीसरी संपत्ति प्रबंधन कंपनी है।

शेयर बाजारों में तेजी जारी; वित्त मंत्री की घोषणाओं का बाजार पर मिला जुला असर

मुंबई,

अर्थव्यवस्था में मांग बढ़ाने के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारामण की सोमवार को नयी घोषणाओं के बीच शेयर बाजारों में लगातार आठवें कारोबारी सत्र में तेजी रही और सेंसेक्स 84 अंक की बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार विश्लेषकों के अनुसार वित्त मंत्री की घोषणा का असर मिला जुला रहा और शुरूआत में जोरदार तेजी का दौरान बाद में हल्का पड़ गया था। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा देश में त्योहरों के दौरान मांग को बढ़ावा देने और अर्थव्यवस्था को गति देने के लिये की गयी घोषणा का शुरू में बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा। लेकिन उनकी घोषणाएं निवेशकों को की उम्मीदों से कम लगीं। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स में शुरूआती कारोबार में करीब 400 अंक की तेजी आयी। लेकिन बाद में यह तेजी जाती रही। अंत में यह 84.31 अंक यानी 0.21 प्रतिशत मजबूत होकर 40,593.80 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, एनएसई निफ्टी 16.75 अंक यानी 0.14 प्रतिशत हल्की तेजी के साथ 11,930.95 अंक पर बंद हुआ। दोनों सूचकांकों में लागातर आठवें सत्र में तेजी बनी रही। सेंसेक्स के शेयरों में सर्वाधिक लाभ में आईटीसी रही। इसमें 2.59 प्रतिशत से अधिक की तेजी आयी। इसके अलावा जिन अन्य प्रमुख शेयरों में तेजी रही, उनमें इन्फोसिस, एशियन पेंट्स, एचसीएल टेक, मारुति, पावरग्रिड, आईसीआईसीआई बैंक और टीसीएस शामिल हैं। दूसरी तरफ जिन प्रमुख शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी, उनमें भारती एयरटेल, ओएनजीसी, एचडीएफसी बैंक, इंडसइंड बैंक और बजाज ऑटो शामिल हैं। कारोबारियों के अनुसार सूचकांक पूरे दिन सकारात्मक दायरे में रहा। लेकिन वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के प्रोत्साहन उपायों की घोषणा के लिये आयोजित संवाददाता सम्मेलन के बाद निवेशक थोड़े सतर्क दिखे। त्योहारों के दौरान उपभोक्ता मांग में तेजी लाने के इरादे से वित्त मंत्री ने सोमवार को एलटीसी (अवकाश यात्रा रियायत) के एवज में नकद वाउचर और 10,000 रुपये का विशेष त्योहार अग्रिम देने की घोषणा की। सीतारमण ने अतिरिक्त पूंजीगत व्यय और राज्यों को 12,000 करोड़ रुपये का ब्याज-मुक्त ऋण 50 साल के लिये देने की भी घोषणा की। इस पहल का मकसद राज्यों की अर्थव्यवस्था को गति देना है जो कोविड-19 महमारी और उसकी रोकथाम के लिये लगाये गये 'लॉकडाउन' से प्रभावित हैं। इस बारे में रिलायंस सिक्योरिटीज के संस्थागत कारोबार के प्रमुख अर्जुन यश महाजन ने कहा कि सरकार ने उपभोक्ता मांग को बढ़ाने के लिये ऋण और नकद वाउचर की पेशकश की, वह अल्पकालीन उपाय है और इसमें सतत वृद्धि को लेकर प्रतिबद्धता की कमी का अभाव है। उन्होंने कहा, ''इससे त्योहारों या वित्त वर्ष के अंत तक मांग में कुछ सुधार देखने को मिल सकता है। हालांकि इससे कोई जरूरी नहीं है कि एक सतत पुनरूद्धार को बढ़ावा मिले। यह बाजार को संभवतः आकर्षित नहीं कर पाएगा।'' हालांकि महाजन ने कहा कि उच्च पूंजीगत व्यय बुनियादी ढांचा कंपनियों के लिये बेहतर है क्योंकि इससे नये आर्डर बढ़ेंगे। साथ ही बुनियादी ढांचा क्षेत्रों से जुड़े कार्यों में तेजी आएगी। उधर, वैश्विक स्तर पर एशिया के अन्य बाजारों में चीन में शंघाई, हांगकांग और दक्षिण कोरिया में सोल लाभ में रहें जबकि जापान में तोक्यो बाजार नुकसान के साथ बंद हुआ। यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरूआती कारोबार में तेजी का रुख रहा। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 1.38 प्रतिशत की गिरावट के साथ 42.26 डॉलर प्रति बैरल पर चल रहा था। विदेशी विनिमय बाजार में अमेरिका डॉलर के मुकाबले रुपया 12 पैसे गिरकर 73.28 पर बंद हुआ।

कोविड-19 के चलते स्कूल बंद होने से भारत को हो सकता है 40 अरब डॉलर का नुकसानः विश्व बैंक

नई दिल्ली:

विश्व बैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार कोविड-19 के चलते लंबे समय तक स्कूल बंद रहने से भारत को 40 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का नुकसान हो सकता है। इसके अलावा पढ़ाई को होने वाला नुकसान अलग है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मौजूदा हालात में दक्षिण एशियाई क्षेत्र में स्कूलों के बंद रहने से 62 अरब 20 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुकसान हो सकता है तथा अगर हालात और अधिक निराशानजक रहे तो यह नुकसान 88 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस क्षेत्र में अधिक नुकसान भारत को ही उठाना पड़ सकता है। सभी देशों को अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का अच्छा खासा हिस्सा खोना पड़ेगा। 'पराजित या खंडित? दक्षिण एशिया में अनौपचारिकता एवं कोविड-19' नामक इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि दक्षिण एशिया क्षेत्र अर्थव्यवस्थाओं पर कोविड-19 के विनाशकारी प्रभाव के चलते 2020 में सबसे बुरे आर्थिक शिथिलता के दौर में फंसने वाला है। रिपोर्ट में कहा गया है, 'दक्षिण एशियाई देशों में अस्थायी रूप से

स्कूल बंद होने से छात्रों पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। इन देशों में प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों के 39 करोड़ 10 लाख छात्र स्कूलों से दूर हैं, जिससे शिक्षा के संकट से निपटने के प्रयास और अधिक मुश्किल हो जाएंगे।' रिपोर्ट के अनुसार, 'कई देशों ने स्कूल बंद होने के प्रभाव को कम करने के लिये काफी कदम उठाए हैं, लेकिन बच्चों को डिजिटल माध्यमों से पढ़ाई कराना काफी मुश्किल काम है।' विश्व बैंक की रिपोर्ट में कहा गया है कि महामारी के चलते 55 लाख बच्चे पढ़ाई छोड़ सकते हैं। इससे पढ़ाई का अच्छा-खासा नुकसान होगा, जिसके चलते एक पीढ़ी के छात्रों की दक्षता पर आजीवन प्रभाव पड़ेगा। रिपोर्ट में कहा गया है, 'अधिकतर देशों में स्कूल मार्च में बंद कर दिये गए थे और कुछेक देशों में ही स्कूल खोले जा रहे हैं या फिर खोले जा चुके हैं। बच्चे लगभग पांच महीने से स्कूलों से दूर हैं।

शुल्क वृद्धि, कोविड बाद डेटा का इस्तेमाल बढ़ने से दूरसंचार उद्योग का एआरपीयू बढ़ेगा : रिपोर्ट

नयी दिल्ली,

दूरसंचार उद्योग की प्रति ग्राहक औसत कमाई (एआरपीयू) में 'संरचनात्मक तरीके से वृद्धि' देखने को मिलेगी। सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि नियामक या बाजार आधारित शुल्क वृद्धि के अलावा कोविड-19 के बाद डेटा का इस्तेमाल बढ़ने से उद्योग का एआरपीयू बढ़ेगा। जेएम फाइनेंशियल के नोट 'प्रभुत्व, रक्षा और बचाव की एक कहानी' में कहा गया है कि दूरसंचार उद्योग का एकीकरण काफी हद तक पूरा हो गया है। एआरपीयू में बढ़ोतरी तय है, ऐसे में वायरलेस उद्योग का राजस्व 2024-25 तक दोगुना होकर 2,60,000 करोड़ रुपये पर पहुंच जाने की उम्मीद है। रिपोर्ट का कहा गया है, ''हमारा अनुमान है कि उद्योग का राजस्व 2024-25 तक दोगुना होकर 2,600 अरब रुपये हो जाएगा। उद्योग की भविष्य की निवेश जरूरत को देखते हुए एआरपीयू में बढ़ोतरी लगभग तय है। इसके लिए 2024-25 तक एआरपीयू 230 से 250 रुपये तथा कर-पूर्व आरओसीई (लगाई गई पूंजी पर रिटर्न) 12-15 प्रतिशत होना

चाहिए, तभी निवेश को न्यायोचित ठहराया जा सकेगा। इसके अलावा बाजार में द्वयाधिकार नहीं होना चएहिए। वोडाफोन आइडिया को बाजार में टिके रहने के लिए 2022-23 तक कम से कम 190 से 200 रुपये के एआरपीयू की जरूरत है।'' रिपोर्ट में कहा गया है कि फाइबर-टू-द-होम और एंटरप्राइज कनेक्टिविटी कारोबार अभी शुरुआती चरण में है। ये वृद्धि का नया इंजन साबित हो सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि शुल्क वृद्धि (चाहे नियामक आधारित हो या बाजार) और कोविड-19 के बाद डेटा का इस्तेमाल बढ़ने से उद्योग के एआरपीयू में संरचनात्मक वृद्धि होगी। रिपोर्ट कहती है कि गहन प्रतिस्पर्धा की वजह से निकट भविष्य में शुल्क वृद्धि का समय 'अनिश्चित' है। उद्योग की सेहत के संरक्षण के लिए नियामकीय हस्तक्षेप की संभावना है। ऐसी स्थिति में बाजार आधारित शुल्क वृद्धि में उल्लेखनीय विलंब होगा।

सरकार के चालू वित्त वर्ष के उधारी कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं: व्यय सचिव

नयी दिल्ली, सरकार ने सोमवार को स्पष्ट किया है कि त्योहारी मौसम के दौरान उपभोक्ता मांग को बढ़ावा देने के लिये उसके द्वारा घोषित उपायों के बावजूद चालू वित्त वर्ष के दौरान अतिरिक्त उधारी जुटाने के कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं आया है। सरकार ने कोविड- 19 महामारी के कारण बढ़े खर्चों की पूर्ति के लिये इस साल मई में चालू वित्त वर्ष के अपने बाजार उधारी कार्यक्रम में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि करते हुये उसे 12 लाख करोड़ रुपये तक कर दिया था। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने त्योहारों के इस मौसम में अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिये कुछ और उपायों की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि नये उपायों से 36,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त उपभोक्ता मांग अर्थव्यवस्था में बढ़ेगी। इसमें करीब 28,000 करोड़ रुपये सरकारी कर्मचारियों के लिये घोषित एलटीसी वाउचर योजना से और 8,000 करोड़ रुपये की मांग त्योहारों के लिये दिये जाने वाले अग्रिम से पैदा होगी। इसके अलावा 37,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त केन्द्रीय और राज्य पूंजीगत व्यय भी किया जायेगा। वित्त मंत्री ने कहा है कि इस प्रकार 31 मार्च 2021 तक कुल 73,000 करोड़ रुपये की अनुमानित मांग अर्थव्यवस्था में आयेगी। वित्त मंत्रालय में आर्थिक मामलों के सचिव तरुण बजाज ने ताजा उपायों की घोषणा के बाद आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सरकार द्वारा घोषित अतिरिक्त उपायों के कारण चालू वित्त वर्ष में सरकार के बाजार उधारी कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं आयेगा। उन्होंने कहा, ''हमने प्रोत्साहन उपायों को लेकर अनुमान का आकलन कर लिया है। फिलहाल इस समय, चालू वित्त वर्ष के दौरान बाजार उधारी का हमारा कार्यक्रम 12 लाख करोड़ रुपये पर ही है।'' यह पूछे जाने पर कि सरकार यह कैसे सुनिश्चित करेगी कि लोग खर्चा करें खासतौर से सरकारी कर्मचारी इस दौरान खर्च करेंगे? जवाब में बजाज ने कहा कि योजना इस तरह से तैयार की गई है कि आप खर्च करने के लिये प्रोत्साहित होंगे। उन्होंने कहा, ''योजना में कहा गया है कि आपको लाभ तभी मिलेगा जब आप धन को 31 मार्च 2021 तक खर्च करेंगे। आप यदि कम खर्च करेंगे तो आपको कम लाभ मिलेगा।'' कोविड- 19 महामारी का संकट शुरू होने के बाद से यह सरकार की ओर से तीसरा प्रोत्साहन पैकेज जारी किया गया है। सरकार ने महामारी शुरू होने के समय सबसे पहले 1.70 लाख करोड़ रुपये की प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना (पीएमजीकेपी) की घोषणा की।

क्रेडाई ने परियोजनाओं को पूरा करने, नौकरियां बचाने के लिए प्रोत्साहन पैकेज मांगा

नयी दिल्ली,

रीयल एस्टेट कंपनियों के शीर्ष निकाय कनफेडेरशन ऑफ रीयल एस्टेट डेवलपर्स एसोसिएशंस ऑफ इंडिया (क्रेडाई) ने सोमवार को कहा कि कोविड-19 महामारी की वजह से उद्योग को काफी 'दर्द' झेलना पड़ रहा है। क्रेडाई ने सरकार से नकदी संकट से जूझ रहे डेवलपर्स के लिए वित्तीय उपायों की मांग की है।क्रेडाई देशभर के 20,000 से अधिक बिल्डरों का प्रतिनिधित्व करती है। क्रेडाई ने सरकार से कहा है कि डेवलपर्स के लिए ब्याज माफी और ऋण की किस्त के भुगतान पर मार्च, 2021 तक रोक जैसे उपायों की घोषणा की जाए। क्रेडाई के पास्ट चेयरमैन इरफान रजाक ने पीटीआई-भाषा से साक्षात्कार में कहा कि यदि सरकार की ओर से रीयल एस्टेट क्षेत्र को समर्थन नहीं मिला, तो बड़े पैमाने पर नौकरियां जा सकती हैं। इसके अलावा घर खरीदारों को परियोजनाओं की आपूर्ति में भी देरी हो सकती है। देश की प्रमुख रीयल एस्टेट कंपनी प्रेस्टीज ग्रुप के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक रजाक ने कहा, ''नकदी प्रवाह के मुद्दों की वजह से उद्योग संकट में है। इस क्षेत्र को कुछ सहानुभूति और समर्थन की जरूरत है।'' उन्होंने कहा कि उद्योग कर्ज माफी नहीं चाहता है, सिर्फ ब्याज और ब्याज पर ब्याज में कुछ छूट चाहता है। इससे डेवलपर्स को लॉकडाउन की अवधि के दौरान हुए नुकसान की कुछ भरपाई हो पाएगी। उन्होंने कहा, ''घरों की आपूर्ति होनी चाहिए। लोगों ने जीवन भर की कमाई अपना सपनों का घर खरीदने में लगाई है।''

क्रेडाई के महाराष्ट्र चैप्टर क्रेडाई-एमसीएचआई ने उच्चतम न्यायालय में ब्याज और मियादी ऋण की किस्त के भुगतान पर रोक की अवधि के दौरान ब्याज पर ब्याज की माफी के लिए याचिका दायर की है।

क्रेडाई के पास्ट चेयरमैन और एटीएस ग्रुप के चेयरमैन गेतांबर आनंद ने कहा कि रिजर्व बैंक ने ऋण पुनर्गठन की जिस व्यवस्था की घोषणा की है उससे ज्यादातर कंपनियों को फायदा नहीं होने वाला।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चैपमैन का योगदान कभी भी भुलाया नहीं जा सकता : एआईएफएफ

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) ने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान कार्ल्टन चैपमैन के निधन पर शोक व्यक्त किया है। कैपमैन ने सोमवार सुबह आखिरी सांस ली। वह 49 साल के थे।एआईएफएफ अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल ने एक बयान में कहा, चैपमैन के निधन की खबर सुनकर काफी दुख पहुंचा है। भारतीय फुटबाल में उनको योगदान भुलाया नहीं जा सकता। वहीं एआईएफएफ महासचिव कुशल दास ने कहा, चैपमैन गिफ्टेड खिलाड़ी थे। उन्होंने अपनी कोचिंग से कई युवा खिलाड़ियों को प्रेरित किया है। भगवान उनकी आत्म को शांति दे। चैपमैन की कप्तानी में 1997 में भारतीय फुटबाल टीम सैफ चैम्पियंस ट्रॉफी का खिताब जीता था। भारत के लिए उन्होंने 39 मैच खेले और छह गोल किए, जिसमें से पांच तब किए जब वो टीम के कप्तान थे। वह भारत की उस टीम का हिस्सा थे जिसने मद्रास में खेले सैफ खेल (1995), कोच्चि में नेहरू कप (1997) और मडगांव में खेले गए सैफ चैम्पयनिशप (1999) में जीत हासिल की थी। टाटा फुटबाल अकादमी (टीएफए) से निकले चैपमैन अपने दिनों में देश के जाने-माने मिडफील्डर थे। 1991 में उन्होंने टीएफए का दामन थामा और तीन साल बाद वह ईस्ट बंगाल चले गए जहां से खेलते हुए उन्होंने ईराक के फुटबाल कल्ब अल जावरा के खिलाफ हैट्रिक लगाई।

आईपीएल-13

हैदराबाद के सामने चेन्नई के बल्लेबाजों की अग्नि परीक्षा

दुबई।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 13वें संस्करण में दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में मंगलवार को सनराइजर्स हैदरबाद के खिलाफ उतरने वाली चेन्नई सुपर किंग्स अपनी फॉर्म को वापस हासिल करना चाहेगी। तीन बार की विजेता चेन्नई पिछले सात मैचों में सिर्फ दो मैच ही जीत पाई है। आईपीएल में ऐसा कभी नहीं हुआ है कि चेन्नई खेली और प्लेऑफ में न पहुंची हो। उसके कप्तान महेंद्र सिंह धोनी हर बार टीम को शीर्ष-4 में ले जाते हैं लेकिन इस बार यह काफी मुश्किल या यू कहूं असंभव सा लग रहा है। देखना होगा कि करिश्माई कप्तान धोनी यहां से क्या करिश्मा करते हैं। इसके लिए जरूरी है कि उसके बल्लेबाज चलें। धोनी ने भी पिछले मैच में माना था कि उनकी बल्लेबाजी में तमाम खामियां हैं, जिन पर काम करने की जरूरत है। क्या बदलाव, क्या सुधार धोनी और टीम प्रबंधन करता है यह देखना होगा। शेन वॉटसन और फॉफ डु प्लेसिस के अलावा कोई और बल्लेबाज फॉर्म में नहीं हैं। अंबाती रायडू भी वापसी के पास कुछ खास नहीं कर पाए हैं। केदार जाधव की जगह पिछले मैच में एन. जगदीशन को मौका दिया गया था। उन्होंने संयम के साथ बल्लेबाजी करते हुए प्रभावित भी किया था। धोनी, रवींद्र जडेजा और ड्वेन ब्रावो भी उस तरह की पारी नहीं खेल पाएं जिसकी टीम को जरूरत है। यह सभी चिंताएं चेन्नई के लिए बड़ी परेशानी है जो उसे सुलझानी है।

गेंदबाजी में टीम वैसे अच्छा कर रही है। उसके गेंदबाज विपक्षी टीमों को ज्यादा रन नहीं बनाने दे रहे हैं। शार्दुल ठाकुर को शुरुआती मैचों में मौका नहीं मिला था लेकिन जब से उन्हें मौका मिला है वो अच्छा कर रहे हैं। दीपक चहर भी अच्छी लय में हैं। सैम कुरैन की गेंदबाजी से भी धोनी खुश हैं। स्पिन में जडेजा और कर्ण शर्मा हैं। चेन्नई को हैदराबाद के खिलाफ अपनी बल्लेबाजी पर ज्यादा ध्यान देना होगा क्योंकि हैदराबाद का गेंदबाजी आक्रमण शानदार है। टी. नटराजन, संदीप शर्मा ने भुवनेश्वर कुमार की कमी को ज्यादा खलने नहीं दिया है। स्पिन में टीम के पास राशिद खान जैसा हथियार है। बल्लेबाजी में जॉनी बेयरस्टो और डेविड वार्नर फॉर्म में हैं और मनीष पांडे ने भी पिछले मैच में 54 रनों की पारी खेली। केन विलियम्सन जैसा बल्लेबाज भी टीम के पास है।

हैदराबाद के लिए जरूरी है कि यह चारों बल्लेबाजों में कोई न कोई चले और अंत तक खड़ा रहे नहीं तो टीम का सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचना भी मुश्किल हो जाता है। प्रियम गर्ग और अभिषेक शर्मा निचले क्रम में हैं लेकिन लगातार अच्छा न कर पाना उनकी कमजोरी रही।

दोनों में काबिलियत तो है लेकिन उसका निरंतर इस्तेमाल इन दोनों के लिए भी जरूरी है और टीम के लिए भी।

रोलां गैरो में जीत मेरे लिए सब कुछ है : नडाल

पेरिस । स्पेन के राफेल नडाल ने रविवार को सर्बिया के नोवाक जोकोविच को पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में हराकर अपना 13वां फ्रेंच ओपन खिताब जीता। नडाल ने रोलां गैरो में जोकोविच को एकतरफा अंदाज में 6-0, 6-2, 7-5 से मात देते हुए अपना कुल 20वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीता। नडाल ने हालांकि मैच के बाद कहा कि वह अपने रिकॉर्ड के बारे में नहीं सोच रहे हैं। उन्होंने कहा, यह काफी मुश्किल साल है। यहां जीत ही मेरे लिए सब कुछ है। ईमानदारी से कहूं तो मैंने 20वां ग्रैंड स्लैम जीतने या फेडरर की बराबरी के बारे में कभी नहीं सोचा। नडाल ने कहा, मेरे लिए यह सिर्फ रोलां गैरो पर जीत है। मैंने यहां अपने टेनिस करियर के बेहद खास पल बिताए हैं। यहां खेलना सच्ची प्रेरणा है और जो प्यार मेरा इस शहर से और इस कोर्ट से वो भुलाया नहीं जा सकता। नडाल ने साथ ही जोकोविच को भी बधाई दी। जोकोविच उन दो खिलाड़ियों में से एक हैं, जिन्होंने फ्रेंच ओपन में नडाल को हराया है। जाकोविच ने 2015 फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में नडाल को मात दी थी। नडाल ने कहा, एक और शानदार टूर्नामेंट के लिए जोकोविच को बधाई। आप तो जानते हैं कि आज के लिए मुझे खेद है। आस्ट्रेलिया में उन्होंने मुझे कई बार हराया है। हम कई बार एक साथ खेले हैं। एक दिन जीतते हैं और दूसरे दिन भी। इसलिए भविष्य के लिए शुभकामनाएं, जोकोविच।

पी.वी सिंधू को विश्व टूर फाइनल्स में नहीं मिलेगा सीधा प्रवेश

नई दिल्ली । भारत की स्टार खिलाड़ी पी वी संधू को विश्व टूर फाइनल में सीधा प्रवेश नहीं मिलेगा क्योंकि विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने सत्र के आखिर में होने वाले इस टूर्नामेंट में मौजूदा विश्व चैंपियन को स्वतः प्रवेश नहीं देने का निर्णय लिया है। बीडब्ल्यूएफ के नियमों के अनुसार विश्व चैंपियन्स को प्रतिष्ठित विश्व टूर फाइनल्स में सीधा प्रवेश मिलता रहा है लेकिन कोविड- 19 महामारी के कारण अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर में व्यवधान पड़ा है और ऐसे में विश्व संस्था ने इस साल नियम को बदलने का फैसला किया। बीडब्ल्यूएफ ने रविवार को जारी बयान में कहा कि वर्तमान नियमों के अनुसार खिलाड़ियों को बैकाक में होने वाले बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स 2020 के लिये क्वालीफाई करना होगा। मौजूदा विश्व चैंपियन्स को सीधा प्रवेश नहीं मिलेगा और केवल विश्व टूर टूर्नामेंट में जीत गये अंकों के आधार पर ही प्रवेश दिया जाएगा। सिंधू ने पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने डेनमार्क ओपन से हटने का फैसला किया था और उन्हें अब विश्व टूर फाइनल्स में जगह बनाने के लिये एशियाई चरण के टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। सिंधू के पिता पी वी रमन्ना कहा, ''हमें डेनमार्क ओपन से हटने का खेद नहीं है। अब जबकि बीडब्ल्यूएफ ने नए मानदंड तय कर दिए हैं तो सिंधू एशियाई चरण से क्वालीफाई करने की कोशिश करेगी। वह विश्व चैंपियन है और पूर्व में विश्व टूर फाइनल का खिताब जीत चुकी है, इसलिए हमारा मुख्य लक्ष्य ऑल इंग्लैंड और ओलंपिक है। 'कोविड-19 महामारी के कारण विश्व बैडमिंटन महासंघ ने विश्व टूर फाइनल्स का आयोजन अगले साल बैकाक में 27 से 31 जनवरी के बीच करने का फैसला किया था।

रोमांचक मैच में राजस्थान की 5 विकेट से जीत, आखिरी 5 ओवरों में तेवतिया-पराग ने 69 रन बनाए

दुबई।

राहुल तेवतिया (45*) और रियान पराग (42*) की शानदार पार्टनरशिप की बदौलत इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के एक रोमांचक मैच में राजस्थान रॉयल्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को विकेट से हरा दिया। आखिरी 5 ओवरों में दोनों बल्लेबाजों ने 69 रन बनाकर हैदराबाद से जीत छीन ली। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मैच में हैदराबाद के कप्तान डेविड वॉर्नर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया है। हैदराबाद ने मनीष पांडे (54) और डेविड वॉर्नर (48) की पारी की बदौलत 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 158 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान की टीम ने 5 विकेट रहते इस मैच को जीत लिया। राजस्थान के लिए जयदेव उनादकट, जोफ्रा आर्चर और कार्तिक त्यागी ने 1-1 विकेट लिया। हैदराबाद के लिए खलील अहमद और राशिद खान ने दो-दो विकेट चटकाए।

राजस्थान की पारी:

लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान की शुरुआत बेहद खराब रही। सीजन में अपना पहला मैच खेल रहे राजस्थान रॉयल्स के ऑलराउंडर बेन स्टोक्स ने जोस बटलर के साथ पारी की शुरुआत की। स्टोक्स सिर्फ 5 रन ही बना सके और खलील अहमद की बॉल पर आउट हुए। कप्तान स्टीव स्मिथ 5 रन बनाकर रन आउट हुए। एक वक्त पर राजस्थान के 5 विकेट 78 रन पर गिर चुके थे। राजस्थान को जीत के लिए 8 ओवर में 80 रन की जरुरत थी। ऐसे वक्त में राहुल तेवतिया और रियान पराग ने मोर्चा संभाला को टीम को जीत दिला दी। आखिरी 5 ओवरों में राजस्थान के बल्लेबाजों ने 69 रन बनाए। राहुल तेवतिया 45 और रियान पराग 42 रन बनाकर नॉट आउट रहे।

हैदराबाद की पारी:

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी हैदराबाद के लिए मनीष पांडे ने सबसे ज्यादा रन बनाए। उन्होंने 44 गेंदों में 2 चौके और 3 छक्कों की मदद से 54 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। मनीष की ढ्ढक्क करियर में यह 17वीं फिफ्टी है। डेविड वॉर्नर ने 48, जॉनी बेयरस्टो ने 16 और प्रियम गर्ग ने 15 रन का योगदान दिया। केन विलियम्सन 22 रन बनाकर नाबाद रहे। राजस्थान के लिए जयदेव उनादकट, जोफ्रा आर्चर और कार्तिक त्यागी ने 1-1 विकेट लिया।

संक्षिप्त समाचार

आईसीसी अध्यक्ष पद के लिए चुनाव प्रक्रिया शुरू : आईसीसी

नई दिल्ली । अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सोमवार को कहा कि उसके अगले अध्यक्ष पद के लिए होने वाले चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो गई है और दिसंबर की शुरुआत तक इसके समाप्त होने की उम्मीद है। आईसीसी ने एक बयान में कहा, प्रकिया शुरू हो चुकी है, जिसकी निगरानी आईसीसी आडिट समिति का स्वतंत्र चेयरमैन करेगा और पहला चरण संभावितः उम्मीदवारों का नामांकन है जो मौजूदा बोर्ड आफ डायरेक्टर्स को 18 अक्टूबर 2020 तक करना है। बयान में आगे कहा गया है, जैसा की आईसीसी संविधान में कहा गया है कि इसके योग्य होने के लिए, संभावित उम्मीदवार मौजूदा या पूर्व आईसीसी निदेशक होना चाहिए। शशांक मनोहर के इस साल जुलाई में आईसीसी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के बाद से यह पद अभी तक खाली पड़ा है। सिंगापुर के इमरान ख्वाजा आईसीसी के अंतरिम चेयरमैन है। ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली और इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के पूर्व चेयरमैन कोलिन ग्रेव्स इस पद के लिए भावी उम्मीदवार हो सकते हैं।

कोविड के बाद शीर्ष स्तर की फिटनेस पाना लक्ष्य : सुरेंदर कुमार

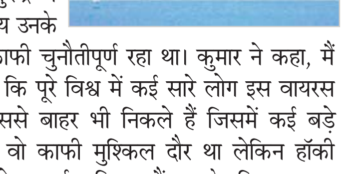

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के डिफेंडर सुरेंदर कुमार उन खिलाड़ियों में से थे जिनका कोविड-19 टेस्ट पॉजिटिव आया था। सुरेंद्र ने बताया है कि वो पूरा समय उनके लिए मानसिक तौर पर काफी चुनौतीपूर्ण रहा था। कुमार ने कहा, मैं अपने आप से कहता था कि पूरे विश्व में कई सारे लोग इस वायरस से ग्रसित हुए हैं और इससे बाहर भी निकले हैं जिसमें कई बड़े खिलाड़ी भी शामिल हैं। वो काफी मुश्किल दौर था लेकिन हॉकी इंडिया और साई से जो समर्थन मिला मैं उसके लिए उनका शुक्रगुजार हूं। इन्होंने सर्वश्रेष्ठ ईलाज मुहैया कराया। सुरेंदर के अलावा बाकी पांच लोग भी कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए थे, लेकिन सुरेंदर कोविड-19 से रिकवरी करते समय थ्रोमबोसिस के शिकार हो गए थे जिसमें ब्लड क्लॉट हो जाते हैं। उन्होंने कहा, एक बार फिर, मैं एचआई और साई का शुक्रिया अदा करना चाहूंगा जिन्होंने मेरी रिकवरी का बहुत बरीकी से ध्यान रखा। मेरा रोज चैकअप होता था। हमारे पास कैम्पस में भी डॉक्टर होते थे। हम भाग्यशाली हैं कि हमें इस तरह का समर्थन मिला। अब मेरा फोकस हॉकी पर है। सितंबर में मैदान पर लौटने और बाकी की टीम के साथ जुड़ने के बाद सुरेंदर का ध्यान अब पूरी फिटनेस हासिल करने पर है। उन्होंने कहा, मैं बाकी की टीम के साथ जुड़कर काफी खुश हूं। शुरुआत में मुख्य कोच धीरे-धीरे बढ़ने के बारे में कह रहे थे। अब मेरी ट्रेनिंग पर वापसी को तीन सप्ताह हो चुके हैं। मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं और मेरा लक्ष्य अपनी शीर्ष स्तर की फिटनेस हासिल करना है।

दिल्ली कैपिटल्स को लगा बड़ा झटका, हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण ऋषभ पंत एक हफ्ते के लिए बाहर

डिजिटल डेस्क।

इंडियन प्रीमियर लीग (ढ्ढक्क) के 13वें सीजन में दिल्ली कैपिटल्स (ष्ठष्ट) को एक बड़ा झटका लगा है। दिल्ली के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत चोट के कारण अगले एक हफ्ते तक टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगे। वह चोट के चलते रविवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ हुए मैच में भी नहीं खेले थे। पंत को शुक्रवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हुए मैच के दौरान हैमस्ट्रिंग इंजरी हुई थी। पंत को डॉक्टरों ने एक हफ्ते आराम करने के लिए कहा है। बता दें कि मुंबई के खिलाफ हुए मैच में दिल्ली को 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। मैच में दिल्ली ने मुंबई को 163 रन का टारगेट दिया था। इसके जवाब में मुंबई ने 19.4 ओवर में 5 विकेट गंवाकर 166 रन बनाकर मैच जीता। दिल्ली के कप्तान अय्यर ने मुंबई के खिलाफ मैच के बाद पंत की इंजरी पर कहा कि, डॉक्टरों ने पंत को एक हफ्ते आराम करने की सलाह दी है। मुझे उम्मीद है कि ब्रेक के बाद वह जोरदार वापसी करेंगे। पंत ने इस सीजन में दिल्ली के लिए अब तक 6 मैचों में 35.70 की औसत से 176 रन बनाए हैं।

हमने 10-15 रन कम बनाए- अय्यर

मुंबई के खिलाफ हार पर अय्यर ने कहा है कि, हमने 10-15 रन कम बनाए। मुझे लगता है कि 175 रनों का स्कोर शानदार होता।

मार्कस स्टोइनिस जब आउट हुए तब हमें काफी नुकसान हुआ। अय्यर ने कहा की टीम को अपनी फील्डिंग पर भी काम करने की जरूरत है। अय्यर ने कहा, यह ऐसी चीज है, जिस पर हमें काम करना है। हमें अपनी फील्डिंग पर काम करना है। कुल मिलाकर उन्होंने हमें हर तरह से मात दी। अगले मैच में हमें अपनी मानसिकता पर भी काम करना है। मुझे लगता है कि हमारे लिए यह जरूरी है कि हम किसी भी चीज को हल्के में न लें। कुछ ऐसी चीजें हैं जिन पर हमें काम करने की जरूरत है।

आईपीएल के नए स्टार तेवतिया के लिए दर्द कोई बाधा नहीं

नई दिल्ली । यूएई में जारी आईपीएल के 13वें सीजन में राहुल तेवतिया की विस्फोटक बल्लेबाजी से कई लोग हैरान हो सकते हैं, लेकिन जो उनके साथ लंबे समय से खेल चुके हैं वे जानते हैं कि तेवतिया के अंदर क्या करने की क्षमता है। तेवतिया पिछले साल आईपीएल की समाप्ति के बाद देहरादून गोल्ड कप टूर्नामेंट में टूटे हुए पैर से खेले थे, जहां उन्होंने भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के खिलाफ 197 रनों की पारी खेली थी। तेवतिया आयरकर विभाग की ओर से खेलते हैं और दिल्ली रणजी के पूर्व खिलाड़ी प्रवीण थापर उस टीम के कप्तान हैं। थापर ने आईएएनएस से कहा, एक मैच के दौरान उनके (तेवतिया) के दाहिने पैर पर यॉर्कर लग गई थी और उनके पैर में फ्रेक्च र आ गया था। हमारा अगला मैच एफसीआई के खिलाफ था और वह उस मैच में खेलना नहीं चाहते थे। वह कह रहा था कि मैं नहीं खेल सकता। थापर ने कहा, हम कह रहे थे कि उन्हें रन दौड़ने की जरूरत नहीं है और केवल बल्लेबाजी करने की जरूरत है। इसके बाद वह बल्लेबाजी के लिए गए, लेकिन शुरुआत में वह दर्द से जूझ रहे थे। जब गेंद ज्यादा दूर जा रही थी, वह तभी सिंगल ले रहे थे और डबल नहीं ले रहे थे। उन्होंने कहा, वह अर्धशतक बनाने में सफल रहे और उन्होंने मुझसे कहा कि वह इसे जारी नहीं रख सकते हैं। मैंने उन्हें बताया कि 50 बनाने के बाद उन्हें बड़े शॉट खेलना चाहिए। उन्होंने अगले 50 रन केवल 15 से 20 गेंदों पर ही बना डाला। 22वें ओवर में वह 100 रन तक पहुंच चुके थे। उन्होंने इसे जारी रखा और दुर्भाग्य से वह 197 रनों पर आउट हो गए। तेवतिया जब 14 साल के थे तभी से ही थापर उनके खेल को देख रहे हैं। वह दिल्ली के मालवीय क्लब के लिए भी खेल चुके हैं। इसके अलावा वह 2007-08 में डीडीसीए लीग में भी खेल चुके हैं। पूर्व भारतीय विकेटकीपर विजय यादव तेवतिया के बचपन के कोच हैं। उन्होंने आईएएनएस से कहा, वह पहले से ही लेग-स्पिन गेंदबाजी कर रहे थे और वह एक अच्छे बल्लेबाज भी थे। सबसे महत्वपूर्ण बात जो मैंने तुरंत देखी, वह थी उनकी उत्सुकता और खेलने की इच्छा। उनका खेल छोटे प्रारूपों के अनुकूल है। वह हमेशा बल्लेबाजी में अच्छे थे। मैं हमेशा उन्हें अपनी बल्लेबाजी पर अधिक ध्यान केंद्रित करने के लिए कहूंगा क्योंकि छोटे प्रारूपों में एक बल्लेबाज एक ऑलराउंडर भी हो तो अंतिम एकादश में जगह बनाना आसान हो जाता है।

आईएसएल : पुर्तगाल के इस्मा ने थामा चेन्नइयन एफसी का साथ

चेन्नई । चेन्नइयन एफसी ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के अगले सीजन के लिए फ्री ट्रांसफर के जरिए पुर्तगाल के इसामाएल गोंजालवेज के साथ करार किया है। इस खिलाड़ी को फुटबाल जगत में इस्मा के नाम से जाना जाता है। 29 साल के पुर्तगाल के खिलाड़ी जापान के क्लब मातसुमोटो यामागा से इस क्लब में आ रहे हैं। इस्मा ने कहा, चेन्नइयन एफसी के साथ जुड़ना मेरे लिए बेहद अच्छा है। यह क्लब शहर की मजबूत संस्कृति को बताता है और इसके प्रशंसक बहुत हैं। मेरी मुख्य कोच से अभी तक जो बात हुई है वो शानदार रही है। उनके दिमाग में जो लक्ष्य हैं मैं उनमें पूरी तरह से विश्वास रखता हूं। मेरी टीम और कोच जो मुझसे चाहते हैं मैं उसे पाने के लिए पूरी मेहनत करूंगा। उम्मीद है कि मैं ज्यादा से ज्यादा गोल कर सकूं। इस्मा के पास यूईएफए चैम्पियंस लीग, यूईएफए यूरोपा लीग और एएफसी चैम्पियंस लीग का अनुभव है।टीमके कोच साबा लास्जलो ने कहा, इस्मा ने एशिया में खेलेत हुए साबित का है कि उनकी नजरें गोल पर रहती हैं। उनके पास खिलाड़ियों को मार्क करने की गजब की क्षमता है। हमें उम्मीद है कि उनकी विविधता से हमारी फॉर्वड लाइन को मदद मिलेगी।

मुम्बई सिटी एफसी के नए मुख्य कोच बने सर्जियो लोबेरा

मुम्बई।

मुम्बई सिटी एफसी ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2020-21 सीजन के लिए सर्जियो लोबेरा को अपना नया मुख्य कोच बनाए जाने की सोमवार को घोषणा की। स्पेन निवासी लोबेरा के पास दुनिया भर की लीग्स में कोचिंग का अनुभव है। उनका करियर तकरीबन 25 साल का है। लोबेरा ने स्पेन, मोरक्को और भारत में क्लबों को प्रशिक्षित किया है। इसके अलावा वह 2012 में एफसी बार्सिलोना के सहायक मैनेजर भी रहे हैं। लोबेरा बीते सीजन तक एफसी गोवा के मुख्य कोच थे। क्लब के साथ लोबेरा ने 2019 में सुपर कप जीता था। मुम्बई सिटी एफसी के सह-मालिक बिमल पारेख ने कहा, हम मुम्बई में सर्जियो लोबेरा का स्वागत करके प्रफुल्लित हैं। वह शानदार कोच हैं और हमें यकीन है कि उनकी देखरेख में हमारी टीम नए स्तर को छुएगी। लोबेरा ने सुपर कप जीतकर साबित किया है कि उनकी इतनी साख क्यों है और यही कारण है कि जीत की उनकी यह मानसिकता हमें शीर्ष पर प्रतिस्पर्धा करने में मदद करेगी। लोबेरा ने इस करार को लेकर कहा, मैं मुम्बई सिटी एफसी से जुड़कर काफी खुश हूं। मैंने आईएसएल में अपने अब तक के कार्यकाल का लुत्फ लिया है लेकिन अभी मुझे काफी कुछ हासिल करना है। मुम्बई सिटी एफसी के साथ मैं अपने बाकी के लक्ष्य हासिल कर सकता हूं क्योंकि इस क्लब के पास शानदार खिलाड़ी, पार्टनर्स, मैनेजमेंट है और इन सबकी बदौलत हम अगले सीजन में प्रतिस्पर्धी बने रहेंगे। मुझे लगता है कि आइलैंडर्स के पास काफी सम्भावना है और मैं जितनी जल्दी हो सके, इसके खिलाड़ियों के साथ काम करने को लेकर उत्सुक हूं। लोबेरा ने आगे कहा, मुम्बई सिटी एफसी और सिटी फुटबाल ग्रुप के साथ काम करना मेरे करियर का नया अध्याय है।

मुझे इस पद की चाह थी क्योंकि मैं इस क्लब के इंफ्रास्टक्च र और यहां की कनेक्टिविटी को लेकर काफी प्रभावित था।सर्जियो के साथ कोचिंग स्टाफ में नए लोग शामिल होंगे। सहायक कोच के तौर पर जीसस टाटो उनका साथ देंगे जबकि फिटनेस और कंडीशनिंग कोच के तौर पर मैनुएल सायाबेरा होंगे। दोनों एफसी गोवा से सीधे मुम्बई सिटी एफसी से जुड़ेंगे। गोलकीपिंग कोच के तौर पर मारिया क्रूज आरियास होंगे, जिन्होंने लोबेरा के साथ मोरक्कन क्लब मोगरेब तेतोउयान में काम किया है। सिटी फुटबाल ग्रुप ने लोबेरा के साथ मुम्बई सिटी एफसी का परिचय करा दिया है और अभी वह क्लब को सलाह दे रहे हैं। सिटी फुटबाल ग्रुप ने मुम्बई सिटी एफसी में बहुसंख्यक निवेश हासिल किया है।

बायोपिक में सेतुपित मेरे गेंदबाजी हावभाव को अच्छे से कॉपी करेंगे : मुरली

नई दिल्ली । विजय सेतुपति काफी प्रतिभाशाली अभिनेता हैं और वह मेरी बायोपिक 800 में मेरे गेंदबाजी एक्शन को अच्छे से कॉपी करेंगे, यह कहना है श्रीलंका के महान ऑफ स्पिनर मुथैया मुरलीधरन का।800 मुरलीधरन की बायोपिक है। इस फिल्म की शूटिंग श्रीलंका, ग्रेट ब्रिटेन और आस्ट्रेलिया में होगी। फिल्म की शूटिंग की शुरुआत 2021 में होनी है और अगले साल के अंत में रिलीज होने की उम्मीद है। मुरलीधरन ने स्टार स्पोटर्स के शो पर कहा, एक बार जब स्क्रिप्ट पूरी हो गई तो हमने सोचा कि विजय सेतुपति से बेहतर इसके लिए कोई और नहीं हो सकता। मुझे लगता है कि वह काफी प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं और मेरे गेंदबाजी एक्शन के हाव-भाव को अच्छी तरह से कॉपी कर सकते हैं। मुझे विजय पर पूरी तरह से भरोसा है क्योंकि वह महान अभिनेता है। मुझे उन पर पूरा भरोसा है कि वह फिल्म में अच्छा काम करेंगे। मुरलीधरन के बारे में सेतुपति ने कहा, उनकी कहानी सुनना और मुरली के साथ समय बिताना शानदार था। वह स्टाम्प की तरह हैं जो जहां भी जाते हैं अपनी छप छोड़ते हैं। फिल्म मुख्यत- तमिल में बनाई जाएगी। लेकिन मुरलीधरन और सेतुपति की लोकप्रियता को देखते हुए इसे दक्षिण भारत की अन्य भाषाओं के अलावा हिन्दी, बंगाली और सिंहली में भी डब किया जाएगा। इंग्लिश सबटाइटल के साथ इसके अंतर्राष्ट्रीय वर्जन को भी प्लान किया गया है। मुरलीधरन टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने 800 विकेट लिए हैं। वनडे में उनके नाम 534 और टी-20 में 13 विकेट हैं। उन्होंने 350 वनडे और 12 टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अनुरीता झा

एक्ट्रेस को 'फुल गुंडी' कहते थे को-स्टार, ऐसा था फिल्मी परिवार

अनुरीता झा (Anurita Jha) बताती हैं कि पहली बार साड़ी पहनना काफी मजेदार के साथ-साथ थोड़ा असहज करने वाला था, जबकि बिहारी होने के चलते भाषा पसंद आई. यही वजह रही कि वे इस मोर्चे पर दूसरे अभिनेताओं से कहीं अधिक फिल्म से जुड़ पाई.

गैंग्स ऑफ वासेपुर और भारत जैसी फिल्मों के बाद वेब सीरीज आश्रम में दिख चुकी एक्ट्रेस अनुरीता झा इन दिनों कॉमेडी वेब सीरीज परिवार में चुटीले अभिनय से सुर्खियां बटोर रहीं हैं. मगर खुद उन्हें इसमें सबसे अच्छा क्या लगा, इसके जवाब में वह यशपाल शर्मा , रणवीर शौरी विजय राज और गजराज रावजैसे धुरंधर अभिनेताओं के साथ अभिनय के मौके को गिनाती हैं. अपने सहकर्मियों की प्रतिभा से मंत्रमुग्ध अनुरीता फिल्म से अपने लिए यही सबसे बड़ी सीख मानती हैं.

अनुरीता कहती हैं कि वे सभी अपने अंदाज से सीन को बिल्कुल दूसरे लेवल तक पहुंचा देते थे. सबसे अदभुत समर्पण यशपाल शर्मा का रहा. वह अपना शॉट खत्म होने के बाद भी उसकी बेहतरी के बारे में सोचते और डिस्कस करते रहते थे. इन सभी प्रतिभाशाली अभिनेताओं को सलाम. मैंने इनसे बहुत कुछ सीखा.

मूल रूप से बिहार की अनुरीता को फिल्म ऑफर हुई तो पृष्ठभूमि-भाषा दोनों में बिहारी टच का होना, उनके लिए चीजें थोड़ा आसान कर गया. परिवार में वे बहू मंजू का किरदार निभा रही जो सच के रास्ते पर चलते पति के बुरे कामों का विरोध करती है, वह बच्चों को ईमानदारी से कमाई करने और जिंदगी जीने का सही तरीका बताती है. शूटिंग की यादों को ताजा करते हुए अनुरीता सीनियर एक्टर गजराज राव के बारे में बताती हैं कि वे एक इंस्परेशन हैं. वे काम का काफी भार होने के बावजूद मन शांत रखने का तरीका बताते थे.

उन्होंने सिखाया कि काम के दौरान आस-पास हो रही चीजों से खुद को अलग कर सिर्फ सीन पर कैसे फोकस करना चाहिए. उनका मजाकिया अंदाज बेहद अनूठा था, वह मुझे मजाक में वन फुल गुंडी कहा करते थे. अनुरीता बताती हैं कि पहली बार साड़ी पहनना काफी मजेदार के साथ-साथ थोड़ा असहज करने वाला था, जबकि बिहारी होने के चलते भाषा पसंद आई. यही वजह रही कि वे इस मोर्चे पर दूसरे अभिनेताओं से कहीं अधिक फिल्म से जुड़ पाई. अनुरीता के मुताबिक आश्रम और परिवार के बाद कुछ और अच्छी सीरीज में वह जल्द नजर आएंगी.

मल्लिका शेरावत ने हाथरस पर जताई थी नाराजगी, यूजर ने कहा- तुम्हारी फिल्में हैं जिम्मेदार

छले दिनों उत्तर प्रदेश के हाथरस में हुई घटना ने पूरे देश का ध्यान अपनी तरफ आकर्षित किया. हाथरस में पीड़िता के साथ हुए रेप की घटना के बाद, लोग काफी आक्रोश में हैं और युवती के लिए इंसाफ की मांग कर रहे हैं. इस मामले के सामने आने के बाद कई बॉलीवुड सेलेब्स ने अपनी नाराजगी जाहिर की है. इस बॉलीवुड सेलेब्स में अभिनेत्री मल्लिका शेरावत का नाम भी शामिल है.

मल्लिका शेरावत ट्विटर पर भी इस घटना की आलोचना की. जिसके बाद एक यूजर ने अभिनेत्री और उनकी फिल्मों को महिलाओं के साथ होने वाले रेप और यौन शोषण की घटनाओं के लिए जिम्मेदार ठहराया.

एक यूजर ने एक ट्वीट करते हुए लिखा, बॉलीवुड फिल्म में आपने जिस तरह की भूमिकाएं निभाई हैं, आपकी फिल्में जिस तरह का संदेश देती हैं, आपको नहीं लगता कि रेप जैसे जघन्य अपराधों में इसकी अहम भूमिका हैइन फिल्मों में सुधार की शुरुआत से होनी चाहिए.

उल्लेखनीय है कि उसी ट्वीट को कोट करते हुए अभिनेत्री ने इस जवाब पर पलटवार किया है. मल्लिका ने यूजर को दिए जवाब में लिखातो... मैं जिन फिल्मों में अभिनय करती हूं वे रेप को बढ़ावा देती हैं इसी तरह की मानसिकताएं हैं जो भारतीय समाज को महिलाओं को आगे नहीं बढ़ने दे रही हैंयदि आपको मेरी फिल्मों से कोई समस्या हैं तो उन्हें न देखें.

आपको बता दें कि जब मल्लिका को इस घटना के बारे में पता चला, तो उन्होंने एक पोस्ट लिखा, जब तक भारत महिलाओं के रूढ़िवादी मानसिकता नहीं बदलती है, उनका कुछ नहीं बदलने वाला.

मेरे पिता जैकी श्रॉफ मेरे हीरो हैं, मैं उनकी कभी बराबरी नहीं कर सकता: टाइगर श्रॉफ

एक्टर टाइगर श्रॉफ का कहना है कि उनके पिता, एक्टर जैकी श्रॉफ उनके नायक हैं और वे कभी भी अपने पिताजी की बराबरी नहीं कर पाएंगे. उन्होंने कहा कि, हर बच्चे का पिता उसका आइकन होता है. प्रत्येक बच्चा अपने पिता को देखता है और उनके जैसा बनना चाहता है. मुझे लगता है कि यह मेरी वास्तविकता है और मैं इससे धन्य हूं. बचपन से, मैंने हमेशा अपने पिता की प्रशंसा की है और उनका सबसे बड़ा प्रशंसक रहा हूं. जब मैं अपने पिता की तरफ देखता हूं, तो उनके जैसा कोई दूसरा नहीं है. टाइगर ने कहा, वे वास्तव में मेरे हीरो हैं.

जीवन में मेरा उद्देश्य मेरे परिवार के लिए जीना है और उन्हें 10 गुना प्यार और स्नेह देना है जो उन्होंने जीवन भर मुझ पर बरसाए. मैं अपने पिता की कभी बराबरी नहीं कर सकता, लेकिन मुझे उम्मीद है कि किसी दिन मैं ऐसा बन जाऊंगा कि वे मुझ पर गर्व कर सकें. सा रे गा मा पा ली चैंप्स के एक एपिसोड के दौरान एक वीडियो मैसेज में एक्टर यह बात कही थी.

जैकी ने कहा, जब आपके पास एक बच्चा होता है, तो उसके साथ समय बिताना एक अलग स्तर का उत्साह होता है. मुझे याद है, जब मैं देश में एक आउटडोर सीक्वेंस की शूटिंग कर रहा था, तो बेंगलुरू, चेन्नई, दिल्ली, जहां भी था एक शाम की उड़ान थी, मैंने इसे एक प्वाइंट बना दिया कि मैं उस पर सवार हो जाऊं और दिन के अंत में अपने बेटे और मेरे परिवार के घर वापस आ जाऊं.

जैकी ने आगे कहा कि, मैं अपने काम में बहुत व्यस्त रहता था लेकिन, एक पिता के तौर यह मेरी जिम्मेदारी और दिली इच्छा थी कि मैं अपने बच्चों के साथ वक्त बिता सकूं और उनकी जिंदगी में शामिल हो सकूं. एक पिता के तौर पर मैं यह मानता हूं कि अपने बच्चों के साथ समय बिताने से ज्यादा जरूरी कोई और काम हो ही नहीं सकता. मेरी यह आदत अनिल कपूर की पत्नी को इतनी पसंद आई कि उन्होंने अपने पति को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित किया. अब हम दोनों के लिए यह ऐसी यादें बन गई हैं जिन्हें हम कभी भुला नहीं पाएंगे. जैकी की एक बेटी भी है, जिनका नाम कृष्णा श्रॉफ है.

7 माह बाद खुल रहे बंगाल के सिनेमाघर, दिखाएंगे सुशांत सिंह राजपूत की फिल्में

दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत से जुड़ी 'सहानुभूति' को भुनाने के लक्ष्य से कोलकाता और आसपास के क्षेत्रों के कई सिनेमाघरों ने अगले सप्ताह से अपने शो की शुरुआत दिवंगत एक्टर की फिल्मों के प्रदर्शन से करने का फैसला लिया है. गौरतलब है कि राजपूत का शव 14 जून को मुंबई के बांद्रा स्थित उनके अपार्टमेंट से मिला था. फिल्म वितरण कंपनियों के अधिकारियों ने बताया कि शहर और जिले के कम से कम 14-15 सिंगल स्क्रीन सिनेमाघर राजपूत की 2015 की हिट फिल्म 'केदारनाथ' दिखाएंगे. वहीं, उनकी दूसरी फिल्मों 'सोनचिड़िया' (2019), 'एम एस धोनी द अनटोल्ड स्टोरी (2016) और 'छिछोरे (2019) को भी राज्य में फिर से रिलीज किया जा सकता है.

एसएसआर सिनेमाज प्राइवेट लिमिटेड के वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक सतदीप साहा ने कहा, 'हम सुशांत की ऐसी फिल्म दिखाना चाहते हैं जिसमें अच्छी सामग्री हो. चूंकि, त्योहारी सीजन में कोई बड़ी फिल्म रिलीज नहीं हो रही है इसलिए हमने ऐसी फिल्में दिखाने का फैसला किया जो हाल में बॉक्स ऑफिस पर हिट रही हैं. हमें यह भी पता है कि सुशांत हर जगह चर्चा में हैं.'

साहा ने कहा, 'इन दोनों बातों ने हमें विश्वास दिलाया कि सात महीने के बाद खुल रहे सिनेमाघरों के लिए फिल्म केदारनाथ की रिलीज सही साबित होगी.' आपको बता दें कि सुशांत सिंह राजपूत (34) इस वर्ष 14 जून को मुंबई के बांद्रा स्थित अपने अपार्टमेंट में संदेहास्पद परिस्थितियों में मृत पाए गए थे.

एक्टर सुशांत सिंह राजपूत सुसाइड केस में केंद्रीय जांच ब्यूरो ने सोमवार को बड़ा बयान दिया है. केंद्रीय जांच ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि, सुशांत सिंह राजपूत के मौत से जुड़ी सीबीआई जांच अभी भी जारी है और सभी पहलुओं को पूरी बारीकी से से देखा जा रहा है. यह जानकारी एजेंसी ने 5 अक्टूबर 2020 को दी. 7 साल पहले सुशांत ने फिल्म 'काई पो चे' फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू किया था.

रिया चक्रवर्ती समेत 6 अन्य लोगों पर पटना में दर्ज है मुकदमा

सुशांत सिंह राजपूत के पिता के.के. सिंह (74) ने 28 जुलाई को पटना में रिया चक्रवर्ती, उनके परिवार के सदस्यों सहित छह अन्य लोगों के खिलाफ उनके बेटे को कथित रूप से आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कराया. इन सभी के खिलाफ पटना में पुलिस ने भादंसं की धाराओं 341, 342 (आपराधिक तरीके से बंधक बनाना), 380 (जिस घर में रहें, वहां चोरी करना), 406 (आपराधिक विश्वासघात), 420 (धोखाधड़ी) और 306 (आत्महत्या के लिए उकसाना) में मामला दर्ज किया है. सिंह ने टीवी एवं फिल्म एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती पर आरोप लगाया कि उसने अपना करियर संवारने के लिए मई 2019 में सुशांत से दोस्ती की थी.

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पूर्व अमीर के निधन पर भारत की ओर से धर्मेंद्र प्रधान ने दी श्रद्धांजलि, बोले- भारत-कुवैत संबंध ऐतिहासिक

नई दिल्ली:

पेट्रोलियम मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने सोमवार को कुवैत को भारत में निवेश के लिये आमंत्रित किया। प्रधान का मानना है कि कच्चे तेल के धनी इस खाड़ी देश से ऊर्जा सुरक्षा हासिल करने में महत्वपूर्ण और विश्वसनीय योगदान प्राप्त हो सकता है। प्रधान, कुवैत की दो दिन की यात्रा पर हैं। उन्होंने कुवैत के अमीर शेख नवाफ अल- अहमद अल- जाबेर अल- सबह से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कुवैत के पूर्व शासक (अमीर) शेख सबह अल- अहमद अल- जाबेर अल- सबाह के देहांत पर भारत की ओर से शोक संवेदना व्यक्त किया। प्रधान अपने साथ, राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तरफ से कुवैत के नये शासक के लिये पत्र लेकर गये थे। प्रधान ने ट्वीट किया, ''भारत सरकार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारत की जनता की ओर से कुवैत के अमीर शेख सबह अल- अहमद अल- जाबेर अल- सबाह के देहांत पर अल- सबाह परिवार, कुवैत की सरकार और उसकी जनता के प्रति शोक संवेदना व्यक्त की। प्रधान के मुताबिक शेख नवाफ अल- अहमद अल- जाबेर अल- सबाह ने शोक संवेदना व्यक्त करने के लिये राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारत की जनता का धन्यवाद किया। प्रधान ने कहा, ''उन्होंने कहा कि भारत और कुवैत के रिश्ते एतिहासिक हैं और आपसी लाभ के लिये लगातार इनमें प्रगति होती रहेगी।'' प्रधान ने इसके बाद कुवैत के पेट्रोलियम मंत्री के साथ द्विपक्षीय सहयोग के मुद्दों पर विचार विमर्श के लिये बैठक की। उन्होंने बैठक के बाद कहा, ''कुवैत के तेल मंत्री डा. खलेद अली अल-फादिल के साथ बैठक अच्छी रही। हमने तेल और गैस क्षेत्र में दुतरफा निवेश के साथ ही आपसी ऊर्जा भागीदारी बढ़ाने पर भी विचार विमर्श किया। प्रधान ने कहा कि भारत, कुवैत को ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण और विश्वसनीय भागीदार के तौर पर देखता है।

जापान ने चीन की दादागिरी का दिया जवाब, सेनकाकू आईलैंड सीमा में घुसे 2 चीनी जहाज खदेड़े

इंटरनेशनल डेस्क:

चीन की दादागिरी के खिलाफ इसके पड़ोसी देशों ने बगावत शुरू कर दी है। दक्षिण चीन सागर में ड्रैगन की घुसपैठ का जापानी सेना ने करारा जवाब दिया है। रविवार को सेनकाकू आईलैंड के पास अपनी जापान की सीमा में घुस आए चीन के दो जहाजों को जापान ने तुरंत खदेड़ दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, चीन के गश्ती तीन जहाज जापान की एक मछली पकड़ने वाली नाव का पीछा कर रहे थे। इनमें से दो जापान की समुद्री सीमा में घुस आए। ये जहाज सुबह से शाम तक जापान के समुद्री इलाके में रहे, जिसके बाद जापान कोस्ट गार्ड ने उन्हें वापस लौटने को कहा। 28 अगस्त के बाद यह पहला मौका था जब चीन के जहाज जापान की सीमा में घुसे थे। इस साल अब तक 18 बार चीन के गश्ती जहाज जापानी की समुद्री सीमा में घुसपैठ कर चुके हैं। चीन के जहाजों की हरकतों को देखते हुए जापान ने अपने इंटरनेशनल मरीन बॉर्डर पर बीते कुछ महीनों से गश्त तेज कर दी है। एक दिन पहले ही मलेशिया ने भी चीन की मछली पकड़ने वाली 6 नावें जब्त कर ली थी। जापान के दक्षिण पश्चिम इलाके में ही सेनकाकू या दायायू आइलैंड है। यही चीन के साथ जापान के विवाद की वजह है। फिलहाल यहां जापान का कब्जा है,लेकिन चीन पर इस पर अपना दावा करता है। यह दक्षिण चीन सागर के पास है। इस आइलैंड के पास 12 मील का इंटरनेशनल एयर रूट भी है। हालांकि, चीन इसे नहीं मानता और अक्सर जापान के एयर स्पेस में घुस आता है। इसे देखते हुए जापानी एयरफोर्स को हमेशा अलर्ट रहना होता है। चीन पहले कुछ मौकों पर कह चुका है कि उसने सेनकाकू आइलैंड के पास कोई नियम नहीं तोड़ा है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान के मुताबिक, यह आइलैंड शुरुआत से चीन का हिस्सा रहा है। हम अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए अटल हैं। यहां पर हमारी सेना के प्लेन्स अपनी रूटीन उड़ाने भरते हैं। हमारी नौसेना भी नियमित तौर पर पैट्रोलिंग करती है। यह किसी भी तरह से इंटरनेशनल कानून का उल्लंघन नहीं है। इससे किसी देश को कोई खतरा नहीं है।

उत्तर कोरिया से खतरे की आशंका, जापान मिसाइल रोधक क्षमता करेगा मजबूत

टोक्यो:

उत्तर कोरिया की हथियार प्रणाली के संभावित खतरे के मद्देनजर जापान ने सोमवार को अपनी मिसाइल रोधक क्षमता को मजबूत करने का संकल्प लिया। देश ने इस खतरे को ''अधिक विविधतापूर्ण तथा जटिल÷ बताया है। उत्तर कोरिया के प्योंगयांग में शनिवार को सत्तारूढ़ पार्टी की 75वीं सालगिरह के मौके पर आयोजित परेड के दौरान कई हथियार प्रणालियों का प्रदर्शन किया गया जिसमें दो ऐसी मिसाइलें हैं जिन्हें विदेशी दर्शकों को पहली बार दिखाया गया है। एक मिसाइल इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल है। यह उत्तर कोरिया की मौजूदा इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइलों की तुलना में काफी बड़ी हैं जबकि दूसरी, एक मिसाइल का उन्नयन संस्करण प्रतीत होती है जिसे पनडब्बियों से छोड़ा जा सकता है।

जापान के मुख्य कैबिनेट सचिव कातसुनोबू कैतो ने सोमवार को नियमित संवाददाता सम्मेलन में कहा, ÷ विविधतापूर्ण और जटिल खतरे की प्रतिक्रिया के क्रम में, हम अपनी व्यापक मिसाइल निरोधक क्षमता को मजबूत करने के लिए दृढ़ता से काम करेंगे।÷

उन्होंने कहा कि हम समझते हैं कि उनमें से कुछ मिसाइलों को हमारे पारंपरिक उपकरणों से रोक पाना हमारे लिए मुश्किल होगा। कैतो ने उत्तर कोरिया द्वारा प्रदर्शित की गई मिसाइल के बारे में जापान के विश्लेषण का विवरण देने से इनकार कर दिया है।

उन्होंने सिर्फ इतना कहा कि जापान अपने लोगों की सुरक्षा के लिए अमेरिका तथा अन्य संबंधित देशों के साथ सहयोग करना जारी रखेगा।

गौरतलब है कि तेजतर्रार पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे के करीब आठ साल के कार्यकाल के दौरान, उत्तर कोरिया और चीन के बढ़ते खतरे के बीच जापान-अमेरिकी गठजोड़ के तहत जापान ने अपनी सेना की अंतरराष्ट्रीय भूमिका का विस्तार किया है।

Nobel Prize 2020: पॉल मिलग्रोम और रॉबर्ट विल्सन को अर्थशास्त्र का नोबेल

इंटरनेशनल डेस्क:

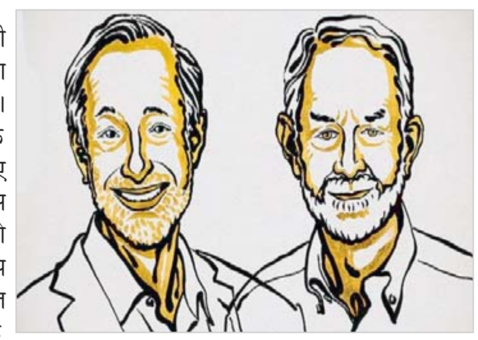

अमेरिका के पॉल आर मिल्ग्रॉम तथा रॉबर्ट बी विल्सन को इस साल का अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार दिया गया है। उन्हें यह पुरस्कार 'नीलामी सिद्धांत में सुधार और नए नीलामी स्वरूप के आविष्कार' के लिए दिया गया है। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज के महासचिव गोरान हैंसन ने सोमवार को स्टॉकहोम में अर्थशास्त्र के नोबेल पुरस्कार विजेताओं के नाम की घोषणा की। अर्थशास्त्र के क्षेत्र में यह पुरस्कार ऐसे समय दिया गया है जब विश्व कोविड-19 महामारी की वजह से द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद सर्वाधिक भीषण मंदी का सामना कर रहा है। अर्थशास्त्र के क्षेत्र में दिए जाने वाले इस पुरस्कार को तकनीकी रूप से 'स्वीरिजेज रिक्सबैंक प्राइज' कहा जाता है और यह वैज्ञानिक अल्फ्रेड नोबेल की स्मृति में दिया जाता है। इस पुरस्कार की स्थापना 1969 में हुई थी और इसे अब नोबेल पुरस्कारों में से ही एक माना जाता है। पिछले साल यह पुरस्कार वैश्विक गरीबी को कम करने के प्रयासों के लिए मैसाचुसेट्स इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के दो अनुसंधानकर्ताओं तथा हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के एक अनुसंधानकर्ता को दिया गया था। पुरस्कार के तहत एक स्वर्ण पदक और एक करोड़ स्वीडिश क्रोना (लगभग 8.27 करोड़ रुपये) की राशि दी जाती है।

संक्षिप्त समाचार

नवलनी को जहर देने का मामला: यूरोपीय संघ कर रहा रूस पर प्रतिबंध लगाने का विचार

ब्रसेल्स: यूरोपीय संघ के विदेश मंत्री रूसी विपक्षी नेता नवलनी को विष देने के मामले में रूस के अधिकारियों और संगठनों पर प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रहे हैं। रूस पर आरोप है कि उसने नवलनी को 'नर्व एजेंट' विष से निशाना बनाया। यूरोपीय संघ के विदेश मंत्रियों की आज लग्जमबर्ग में बैठक हो रही है और वे नवलनी मामले के संदिग्धों की संपत्तियां जब्त करने और उनकी यूरोप यात्रा पर प्रतिबंध लगाने के फ्रांस तथा जर्मनी के प्रस्ताव पर विचार कर रहे हैं। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी नवलनी रूस में एक घरेलू उड़ान में 20 अगस्त को बीमार पड़ गए थे। दो दिन बाद उन्हें उपचार के लिए जर्मनी पहुंचाया गया जहां वह अब भी स्वास्थ्य लाभ कर रहे हैं। पिछले सप्ताह प्रयोगशाला जांच में इस बात की पुष्टि हुई थी कि नवलनी को 'नोविचोक' नामक नर्व एजेंट से निशाना बनाया गया।

इमरान खान के शीर्ष सहयोगी ने भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच दिया इस्तीफा

इस्लामाबाद. पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के विशेष सूचना एवं प्रसारण सहायक लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) आसिम बाजवा ने भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच सोमवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। पाकिस्तान की सेना के पूर्व प्रवक्ता बाजवा ने कहा, '' मैंने माननीय प्रधानमंत्री से सूचना एवं प्रसारण पर प्रधानमंत्री के विशेष सहायक के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त करने का अनुरोध किया। उन्होंने मेरा अनुरोध स्वीकार कर लिया।'' डॉन अखबार के अनुसार हालांकि वह चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा प्राधिकरण के अध्यक्ष पर बन रहेंगे। वह दक्षिणी कमान के कमांडर रह चुके हैं। बाजवा ने खान को एक महीने से अधिक समय पहले अपना इस्तीफा सौंपा था। तब खान ने बाजवा का इस्तीफा स्वीकार नहीं किया था और उनसे विशेष सहायक के पद पर बने रहने को कहा था। उससे पहले एक वेबसाइट में खबर छपी थी कि विदेशों में अपनी पत्नी, बेटों और भाइयों का कारोबार स्थापित करने में उन्होंने अपने पदों का दुरूपयोग किया था। वेबसाइट में कहा गया है कि बाजवा के छोटे भाइयों ने 2002 में अपना पहला पापाज पिज्जा रेस्तरां खोला था । उसी साल बाजवा ने जनरल परवेज मुशर्रफ के कार्यकाल में लेफ्टिनेंट जनरल की तरह काम करना शुरू किया था। उसमें दावा किया गया है कि पिज्जा रेस्तरां फ्रैंजाइजी के लिए डिलीवरी ड्राइवर के रूप में काम शुरू करने वाले उनके भाई नदीम बाजवा (53) तथा तीन अन्य भाइयों, पत्नी फार्रूख जेबा और तीन बेटों का अब एक बड़ा कारोबार साम्राज्य है। चार देशों में उनकी 99 कंपनियां हैं। उनमें 3.99 करोड़ डॉलर के 133 रेस्तरां का पिज्जा फ्रैंजाइजी भी है।

पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी को अस्पताल में भर्ती कराया गया

इस्लामाबाद पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति और पीपीपी के सह-अध्यक्ष आसिफ अली जरदारी को ''दिक्कत'' महसूस होने के बाद कराची के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह जानकारी पार्टी ने दी है। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) ने रविवार को ट्वीट किया, ''चिकित्सक उनकी आवश्यक जांच कर रहे हैं।'' पार्टी ने विस्तृत जानकारी नहीं दी है। इसने कहा कि ''रविवार की शाम जरदारी को दिक्कत महसूस हुई जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।'' 'डॉन न्यूज' ने खबर दी है कि पूर्व राष्ट्रपति के लंबे समय तक सहयोगी रहे डॉ. आसिम हुसैन ने एक निजी खबरिया चैनल से कहा कि जरदारी को कम शर्करा स्तर के कारण अस्पताल लाया गया। 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' ने खबर दी कि पीपीपी नेता को कराची में निजी अस्पताल के आपातकालीन वार्ड में भर्ती कराया गया। बहरहाल, इसने अस्पताल का नाम नहीं बताया। भ्रष्टाचार के कई मामलों का सामना कर रहे जरदारी को इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने चिकित्सीय आधार पर जमानत दे दी थी जिसके बाद पिछले वर्ष दिसम्बर में वह जेल से रिहा हुए थे। वर्ष 2018 में सामने आए बड़े धनशोधन घोटाले में जरदारी कई भ्रष्टाचार के मामलों का सामना कर रहे हैं।

मलेशिया ने चीन की मछली पकड़ने वाली 6 नावें जब्त कीं, हिरासत में लिए 6 कैप्टन और 54 क्रू मेम्बर्स

मलेशिया: मलेशिया की मैरीटाइम एनफोर्समेंट एजेंसी ने चीन की 6 मछली पकडने वाली नौकाओं को जब्त किया। ये नावें अवैध रूप से मलेशिया की समुद्री सीमा में स्थित जोहोर की खाड़ी में घुस गईं। इनमें सवार 60 चीनी नागरिकों को भी हिरासत में ले लिया गया है। सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। मीडिया से बातचीत के दौरान मलेशियाई अधिकारी ने कहा कि सभी चीनी नागरिक हैं और उनकी आयु 31 से 60 के बीच है। उन्हें मर्चेंट शिपिंग अध्यादेश के तहत बुक किया गया है। ऐसे मामलों में, सभी चालक दल के सदस्यों पर लगभग 17 लाख रु। जुर्माना या जेल हो सकती है।

चीन के छिंगदाओ शहर में 90 लाख लोगों की कोविड-19 जांच की जाएगी

बीजिंग, चीन की सरकार ने कहा है कि छिंगदाओ शहर के सभी 90 लाख लोगों की कोविड-19 जांच की जाएगी, जहां इस सप्ताह एक अस्पताल से जुड़े कोरोना वायरस के नौ मामले सामने आये थे। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने कहा कि अधिकारी छिंगदाओ के म्युनिसिपल चेस्ट हॉस्पिटल के आठ मरीजों और एक परिवार के सदस्य के संक्रमित होने के स्रोत का पता लगा रहे हैं। आयोग ने कहा कि पांच दिन के भीतर पूरे शहर की जांच की जाएगी। चीन में यह महामारी गत दिसम्बर में शुरू हुई थी। चीन में कोविड-19 के 85,578 मामले सामने और इससे 4,634 लोगों की मौत होने की जानकारी प्राप्त हुई थी। चीन में इससे पहले संक्रमण के मामले 15 अगस्त को सामने आये थे, जब चार मरीज शिन्जियांग प्रांत के उरुम्की शहर में मिले थे।

वैज्ञानिकों ने दुनिया को दिखाई कोरोना वायरस की नई तस्वीरें, किए कई खुलासे

इंटरनेशनल डेस्क:

पूरी दुनिया कोरोना वायरस महामारी के खात्मे के लिए वैक्सीन की तलाश में लगी है । इस बीच चीन के वैज्ञानिक पहली बार इस किलर वायरस के तस्वीरें सामने लेकर आए हैं। इन तस्वीरों से कोरोना वायरस को लेकर कई बड़े खुलासे हुए हैं। चीनी वैज्ञानिकों द्वारा बनाई गई तस्वीरों में नजर आ रहा है कि कोरोना वायरस नुकीले आकार का है। यही नहीं तस्वीरों से इसके इंसान की कोशिकाओं के साथ अंतर्क्रिया का भी खुलासा हुआ है। कोरोना वायरस की तस्वीरों के आने से वैज्ञानिकों को अब इस महामारी के खात्मे के लिए वैक्सीन बनाने में बड़ी मदद मिल रही है। कोरोना वायरस की तस्वीर सामने आने के बाद अब वैज्ञानिकों को यह उम्मीद जगी है कि कोरोना की वैक्सीन और इलाज तलाशा जा सकेगा। चीन की त्सिंगुआ यूनिवर्सिटी में बॉयोलॉजिस्ट डॉक्टर साई ली हांगझोउ में एक बॉयोसेफ्टी लैब में वायरस विशेषज्ञों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। ये विशेषज्ञ लैब के अंदर कोरोना वायरस तैयार कर रहे हैं। इन विशेषज्ञों ने वायरस को केमिकल के अंदर डाला ताकि यह नुकसान न पहुंचा सके। इसके बाद उन्होंने वायरस से भरे तरल पदार्थ को ली के पास भेजा।ली और उनकी टीम ने वायरस से भरे तरल पदार्थ को एक ड्रॉप के अंदर कर दिया। इसके बाद उसे अचानक से जमा दिया गया। ली और उनकी टीम ने बाद में क्रयो-इलेक्ट्रॉनिक माइक्रोस्कोप से उसे देखा। ली ने कहा, मैंने एक स्क्रीन देखी जो कोरोना वायरस से पूरी तरह से भरी हुई थी। यह देखने में एक इंच के 10 लाखवें हिस्से से भी कम थी। उन्होंने कहा, मैं समझता हूं कि मैं दुनिया का पहला ऐसा इंसान हूं जिसने वायरस को इतने करीब से देखा। ली की इन तस्वीरों से अब वैज्ञानिकों को यह पता चला है कि किस तरह से वायरस के कुछ प्रोटीन इंसान के कोशिकाओं में घुस जाते हैं। इन तस्वीरों से वैज्ञानिकों को यह भी पता चला है कि किस तरह से दूषित जीन्स इंसान के बॉयोकेमेस्ट्री पर कब्जा कर लेते हैं। शोधकर्ताओं को पता चला है कि कुछ वायरल प्रोटीन हमारे सेलुलर (जीव कोशिका) फैक्ट्री पर कहर बरपाते हैं और अन्य वायरल प्रोटीन नए वायरस बनाने के लिए नर्सरी तैयार करते हैं। कुछ शोधकर्ता सुपरकंप्यूटर का इस्तेमाल पूरी तरह से वर्चुअल वायरस तैयार करने के लिए कर रहे हैं। शोधकर्ताओं को आशा है कि उन्हें इसका पता चल सकेगा कि किस तरह से बहुत तेजी के साथ असली वायरस फैलता है।

ताइवान ने पासपोर्ट कवर से हटाया 'रिपब्लिक ऑफ चाइना' नाम, जारी किया नया डिजाइन

इंटरनेशनल डेस्क:

चीन की चालबाजियों व आक्रमकता से तंग ताइवान ने ड्रैगन को बड़ा झटका दिया है। ताइवान ने अपने पासपोर्ट से 'रिपब्लिक ऑफ चाइना' शब्दों को हटा कर पासपोर्ट का नया डिजाइन जारी किया है। इसके अलावा पासपोर्ट पर लिखे 'ताइवान' शब्द के फॉन्ट साइज को बढ़ा दिया है। ताइवान के इस कदम से चीन उसके साथ और आक्रामक रुख अपना सकता है। ताइवान सरकार ने कहा कि पुराने पासपोर्ट के चलते यात्रियों को चीन का नागरिक समझकर महामारी से संबंधित यात्रा प्रतिबंध लगाए जा रहे थे। कई देशों में पुराने पासपोर्ट को लेकर भ्रम था, क्योंकि उस पर चीन लिखा हुआ था। चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है। दरअसल, माओत्से तुंग की कम्युनिस्ट ताकतों से युद्ध हारने के बाद 1949 में ताइवान की स्थापना चीनी गणराज्य के रूप में की गई थी। इसके बाद कम्युनिस्ट चीन को 'पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना' नाम दिया गया था।

चीन और ताइवान में विवाद का कारण

डेंग शियाओपिंग द्वारा 70 के दशक में देश के शासन की बागडोर संभालने के बाद एक देश दो प्रणाली नीति को प्रस्तावित किया गया। दरअसल, डेंग की योजना थी कि इस माध्यम से चीन और ताइवान को एकजुट किया जाए। इस नीति के माध्यम से ताइवान को उच्च स्वायत्तता देने का वादा किया गया।

इस नीति के तहत ताइवान को छूट मिली की वह चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के व्यापार करने के तरीकों से इतर अपनी पूंजीवादी आर्थिक प्रणाली का पालन कर सकता है। साथ ही अलग प्रशासन और अपनी सेना रख सकता है। लेकिन ताइवान ने कम्युनिस्ट पार्टी के इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया।

ताइवान की स्थिति

ताइपान पूर्वी एशिया में स्थित एक द्वीप है। यह द्वीप अपने आस-पास के द्वीपों को मिलाकर चीनी गणराज्य का अंग है और इसका मुख्यालय ताइवान द्वीप है। ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से इसे मुख्य भूमि (चीनी गणराज्य) का अंग माना जाता है, लेकिन इसकी स्वायत्तता को लेकर विवाद है। ताइवान की राजधानी ताइपे है, जो एक वित्तीय केंद्र है। इस द्वीप पर रहने वाले लोग अमाय, स्वातोव और हक्का भाषाएं बोलते हैं। वहीं, मंदारिन राजकार्यों की भाषा है।

अमेरिका: रस्सी से बांध अश्वेत कैदी को पैदल ले गई घुड़सवार पुलिस, पीड़ित ने मांगा 10 लाख डॉलर हर्जाना

इंटरनेशनल डेस्क: अमेरिका में घोड़ों पर सवार दो श्वेत पुलिसकर्मियों द्वारा एक अश्वेत व्यक्ति के हाथ रस्सी से बांधकर उसे पैदल ले जाने का मामला चर्चा का विषय बना हुआ है।। मामले में पीड़ित ने यह कहते हुए दक्षिणपूर्वी टेक्सास शहर और उसके पुलिस विभाग से 10 लाख डॉलर का हर्जाना मांगा कि गिरफ्तारी के दौरान उसे अपमान और भय का सामना करना पड़ा। गलवेस्टन काउंटी जिला अदालत में पिछले हफ्ते डोनाल्ड नीली (44) की तरफ से दायर याचिका में आरोप लगाया गया कि अधिकारियों का आचरण ÷अतिवादी और अपमानजनक÷ था जिससे नीली शारीरिक रूप से घायल हुए और भावनात्मक रूप से भी आहत हुए। मामला पिछले साल अगस्त का है और तस्वीरों में नीली को हथकड़ी से जुड़ी रस्सी पकड़े दो घुड़सवार पुलिस अधिकारी लेकर जा रहे हैं। यह तस्वीर गुलामों को जंजीर में जकड़ कर रखने की याद दिलाती है। घटना के समय बेघर नीली सड़क किनारे सो रहे थे जब उन्हें आपराधिक अतिक्रमण के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। अधिकारियों की वर्दी पर लगे कैमरे में एक पुलिसकर्मी को दो बार यह कहते हुए सुना गया कि नीली को शहर की सड़कों पर रस्सियों से खींचकर ले जाना ÷खराब÷ दिखेगा।

दोस्ती की आड़ में चीन ने नेपाल की जमीन पर किया कब्जा, विपक्षी नेता ने सबूतों के साथ खोली पोल

इंटरनेशनल डेस्क:

नेपाली प्रधानमंत्री के.पी.ओली की दोस्ती की आड़ में चीन नेपाल की जमीन पर कब्जा करने में लगा हुआ है। चीन की करतूतों की पोल विपक्षी दलों ने सबूतों सहित खोली है। विपक्षी दलों का आरोप है कि चीन ने हुम्ला में नेपाली जमीन पर कब्जा जमा लिया है मगर सरकार यह हकीकत को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है। चीन ने जमीन पर कब्जा करने के साथ ही इमारतों का निर्माण भी शुरू कर दिया है और चीनी सैनिकों की ओर से सीमांत इलाके में रहने वाले लोगों को परेशान भी किया जा रहा है। खाने से लदे ट्रकों को चीनी सैनिक रोकने में जुटे हुए हैं जिससे लोगों की जिंदगी और मुश्किल होती जा रही है। प्रमुख विपक्षी दल नेपाली कांग्रेस के नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री जीवन बहादुर शाही कहना है कि चीन ने सीमांत इलाके में रहने वाले लोगों की जिंदगी को नारकीय बना कर रख दिया है। हालांकि ओली सरकार लगातार इन आरोपों से इंकार कर दोस्त को बचाने का प्रयास कर रही है । जीवन बहादुर शाही ने दावा किया है कि उन्हें चीन के अतिक्रमण के पुख्ता सबूत मिले हैं। उन्होंने सीमाई इलाके का दौरा करने के बाद एक विस्तृत रिपोर्ट भी तैयार की है जिसे काठमांडू में पार्टी की केंद्रीय समिति के पास भेजा जाएगा। नेपाल में चीनी घुसपैठ को लेकर उठ रहे विरोध के स्वरों को विपक्षी दल ओली सरकार के खिलाफ इस्तेमाल करने की योजना बना रहे हैं। जीवन बहादुर शाही ने कहा कि हुमला मेरा गृहजिला है। वह यहां की जमीन पर अतिक्रमण के बारे में विस्तृत जानकारी रखते हैं। शाही ने सरकार को सूचित किया था कि चीन ने नेपाल की भूमि पर अतिक्रमण किया है और यहां तक कि पिलर 12 पर हमारी सीमा रेखा पार करने वाली संरचनाओं का निर्माण भी शुरू कर दिया है। हालांकि सरकार ने इससे इंकार किया है। उन्होंने कहा कि हमने अपनी सड़क का निर्माण कुछ किलोमीटर आगे किया था जहां चीन ने इन संरचनाओं (बिल्डिंग्स) का निर्माण किया है। कुछ सरकारी अधिकारियों ने भी इस क्षेत्र का दौरा कर चीन के घुसपैठ की रिपोर्ट तैयार की थी। लेकिन सरकार चीन के घुसपैठ की बात को मानने को राजी नहीं है। उन्होंने कहा कि यहां के लोग बड़ी कठिनाई में अपने जीवन का निर्वाह कर रहे हैं। अतिक्रमण के बारे में खुलकर बोलने पर चीन ने हुमला के लोगों के लिए भोजन की आपूर्ति से लदे ट्रकों को रोक दिया है। अंतरराष्ट्रीय ट्रांजिट कानून के अनुसार, कोई भी सरकार खाने के ट्रांजिट रूट को बंद नहीं कर सकती है। उन्होंने कहा कि जिस टेलीफोन टावर को मैंने इस क्षेत्र में स्थापित करने का प्रयास किया था, वह अब चीन द्वारा बाधित किया जा रहा है। स्थानीय लोगों को चीनी सिग्नल और चीनी टॉवर का उपयोग करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। जूंग पिलर 12 का निर्माण हाल ही में चीन द्वारा निर्मित किया गया है। सरकारी अधिकारियों का कहना है कि उनसे इस तरह के मुद्दों के बारे में सलाह नहीं ली गई है। उन्होंने कहा कि मैं अतिक्रमण का सबूत लाया हूं। जरूरत पड़ने पर मैं आपको सबूत भी दे सकता हूं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दुष्कर्म के बाद युवती हुई गर्भवती आरोपित गिरफ्तार

भदोही (एजेंसी)। शहर कोतवाली इलाके के एक कालीन कारखाना में बाहर से लाकर एक युवती के साथ कई बार दुष्कर्म हुआ।

इस मामले में पुलिस ने मुक. दमा दर्ज करने के बाद सोमवार को आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पुलिस अधीक्षक राम बदन सिंह ने सोमवार को यहां बताया कि निजामपुर निवासी एखलाक ने 19 साल की एक युवती को पीरखानपुर स्थित एक कालीन कारखाना में लाकर कई बार उससे जबरन शारीरिक संबंध बनाए थे। उन्होंने बताया कि यह सच्चाई शनिवार को तब सामने आई जब युवती की तबियत खराब होने पर उसकी मां डॉक्टर के पास लेकर गई। डॉक्टर ने उसके गर्भवती होने की बात बताई।

पुलिस अधीक्षक के मुताबिक युवती ने बताया कि निजामपुर निवासी एखलाक उसे बहाने से कालीन कारखाने ले गया और जबरन शारीरिक संबंध बनाया। इसके बाद इसकी जानकारी और लोगों को देने की बात कहकर उसने कई बार संबंध बनाए। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि रविवार को पीड़िता ने अपने परि. जनों के साथ थाना पहुंचकर खुद मुकदमा दर्ज कराया।

उसकी तहरीर पर एखलाक के खिलाफ बलात्कार समेत कई धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

युवती की मेडिकल जांच कराई जा रही है।

छेड़छाड़ के आरोप में भाजपा नेता गिरफ्तार

बदायूं (एजेंसी)। जिले के सहसवान क्षेत्र में एक महिला के साथ जोर जबरदस्ती एवं छेड़छाड़ करने के आरोप में राज्य में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के एक स्थानीय नेता को गिरफ्तार किया गया है। हालांकि, भाजपा के जिलाध्यक्ष ने पूरे मामले को फर्जी करार दिया है।

जानकारी के मुताबिक शहवा. जपुर की एक महिला ने भारतीय जनता पार्टी के नेता विपिन माली पर जोर जबरदस्ती करने तथा छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया था। आरोपों की जांच के बाद माली के खिलाफ भारतीय दंड सं. हता की धारा 354 (जोर जबर्दस्ती और मारपीट) के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने आरोपी को रविवार की रात गिरफ्तार किया गया और सोमवार को अदालत में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। आरोप के मुताबिक तीन दिन पहले माली ने एक महिला के साथ कथित जोर जबर्दस्ती की और जब उसकी चीख पुकार सुनकर मोहल्लेवासी एकत्र हो गये तो वह भाग निकला। उसके बाद पुलिस ने महिला की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर गिरफतारी के लिए दबिश देनी शुरू की। इस संदर्भ में भ. ाजपा जिलाध्यक्ष अशोक भारतीय ने बताया कि माली सहसवान का बूथ अध्यक्ष है और फूलों के हार बनवाने का काम करता है। जिलाध्यक्ष ने बताया कि उस दिन वह अपने काम के सिलसिले में गया था जहां पहले से रची गई साजिश के तहत उस पर फर्जी मुकदमा दर्ज करा दिया गया।

हत्या 55 हजार में, धमकी के 1000, कुटाई के 5000, घायल करने के लिए 10000 रुपये

मेरठ(एजेंसी)। यूपी के मेरठ जिले में सोमवार को सोशल मीडिया पर अपराधों के रेट लिस्ट का पोस्टर वायरल होने से सन. सनी मची हुई है। पोस्टर में 55 हजार रुपये में हत्या, धमकी देने के 1000 रुपये, कुटाई करने के लिए 5000 रुपये, घायल करने के लिए 10000 रुपये का रेट 'लिखकर पोस्टर वायरल किया गया है। इसके अलावा इसी पोस्ट पर एक मोबाइल नंबर भी दिया गया है, जिस पर संपर्क करके अपराधों के लिए सुपारी दी जा सकती है। मेरठ के व्यापारियों के ग्रुप में यह पोस्टर वायरल हो रहा है, जिसको देखकर व्यापारी भी अचंभे में है कि अब अपराध का कारोबार भी ऑनलाइन शुरू हो गया है।

मेरठ पुलिस को जब इस मामले की भनक पड़ी तो आनन–फानन में व्हाट्सएप ग्रुप चलाने वाले और ग्रुप में यह पोस्टर डालने वाले की तलाश तेज कर दी गई है। मेरठ के एसएसपी अजय साहनी ने वायरल पोस्टर मामले में मेरठ एसपी सिटी ने जांच कर कार्रवाई करने की बात कही है। वहीं इस प्रकरण में एसएसपी अजय साहनी का कहना है कि जांच में पाया गया है कि बदमाशों के जो नम्बर पोस्टर पर डाले हैं। उनका मेरठ या आसपास से कोई लिंक नहीं है। जिन लोगों ने ये वायरल किया है, उन पर मुकदमा कर उचित कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि मेरठ से इस पोस्टर का कोई लिंक नहीं है।

मेरठ में अपराधों का रेट कार्ड हुआ वायरल, एसएसपी बोले– जांच के बाद होगी कड़ी कार्रवाई

लुटेरों ने दाल से भरी डीसीएम लूटी, जीपीएस सिस्टम ने खोला राज

मसौली बाराबंकी (एजेंसी)। हॉइवे पर सक्रिय लुटेरों ने दाल से भरी डीसीएम को लूट लिया लेकिन आधुनिक तकनीक से लूटी गयीं डीसीएम एव दाल तो बरामद हो गयी परन्तु लुटेरों को पता नही चल सका पुलिस ने गोदाम मालिक एव गेटमैन को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही हैं।

घटना शहर कोतवाली के असेनी मोड़ पर सोमवार की भोर उस समय हुई जब जालौन जनपद स्थित कामाख्या इंटरप्र. ाइजेज से 220 बोरी मटर की दाल डीसीएम नम्बर यूपी 79 टी 3785 का चालक शिवम पुत्र कुंदन सिंह निवासी भगवतीपुर थाना औरैया अयोध्या जनपद के रुदौली कस्बे में स्थित गोयल ट्रेडिंग कंपनी लेकर जा रहा था।

चालक को शौच लगने के कारण वह शौच के लिए चला गया और वह शौच करके जैसे ही लौटा तो अचानक एक अपाचे बाइक पर सवार तीन बदमाशो ने डीसीएम चालक को मारपीट कर खाई डाल दिया और दो बदमाश दाल से भरी डीसीएम लूटकर अयोध्या की ओर भाग गये।

तथा चालक के पास मौजूद 17 हजार रुपए नकद मोबाइल भी छीन लिया। अपने साथ हुई लूट की सूचना चालक शिवम ने दूसरे का मोबाईल मांग कर डायल 112 पर दी जिसके बाद सक्रिय हुई पुलिस ने हॉइवे पर गहन जांच की इसी बीच चालक शिवम ने बताया कि गाड़ी में जीपीएस सिस्टम लगा हुआ है। लूट के शिकार हुए शिवम को पीआरवी पुलिस नगर कोतवाली ले गयी जहाँ पर पुलिस ने ड्राइवर के बताए नम्बर पर गाड़ी मालिक हरिओम अवस्थी से सम्पर्क किया तो उन्होंने बताया कि डीसीएम में जीपीएस सिस्टम लगा है।

फिर क्या था पुलिस को रोशनी की किरण दिखाई दी। इस पर पुलिस ने जीपीएस सिस्टम से डीसीएम की लोकेशन चेक की तो पता चला कि सफदरगंज बदोसराय मार्ग पर गाड़ी खड़ी है। जिस पर कोतवाली एव सफदरगंज की संयुक्त पुलिस ने छापा मारा तो ग्राम चिलौकी निवासी अब्दुल गफार पुत्र युसूफ के गोदाम के बाहर डीसीएम खड़ी मिली उक्त गोदाम को कस्बा सफदरगंज निवासी मो. रफीक पुत्र असगर अली ने किराये पर ले रखा है। गोदाम पर मौजूद गेटमैन रोहन पुत्र रामकुमार को साथ में लेकर जमातलाशी ली गई तो लूटी गई पूरी दाल बरामद हुई।

पुलिस ने दाल डीसीएम में लादकर कोतवाली सदर ले गई। डीसीएम में लगी एलसीडी, चालक का मोबाइल व नकदी बरामद नही हो सकी।

कोतवाली पुलिस गेटमैन एव गोदाम मालिक को कब्जे में लेकर लुटेरों की तह तक पहुँचने में लगी हुई है।

हाथरस केसः पीडिता के परिजन की हाईकोर्ट से गुहार, हमें परेशान किया, हमें जांच पर भरोसा नहीं

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के हाथरस के ग्रामीण इलाके में दलित युवती से कथित दुष्कर्म के मामले में सोमवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में सुनवाई हुई। इस दौरान पीडिता के परिजन ने पुलिस कार्रवाई पर असंतुष्टि जाहिर की और पुलिस जांच पर भरोसा नहीं होने की बात कही। उन्होंने पुलिस पर परेशान करने और बिना सहमति के शव का अंतिम संस्कार करने का आरोप भी लगाया। मामले की अगली सुनवाई 2 नवंबर को होगी। बता दें कि कोर्ट ने 1 अक्टूबर को मामले को खुद नोटिस में लिया था।

पीडित परिवार सोमवार सुबह ही कड़ी सुरक्षा के बीच लखनऊ पह. ुंचा। कोर्ट में पीडित के माता–पिता, दो भाई और एक भाभी ने बयान दर्ज कराए। सुनवाई के दौरान पीडित परिवार ने कहा कि पुलिस ने शुरुआत से ही सही जांच नहीं की। हमें परेशान किया, कोई मदद नहीं की। शुरू में तो एफआईआर भी नहीं लिखी। बिना हमारी सहमति के रात में अंतिम संस्कार कर दिया। इसमें शामिल भी नहीं किया। डीएम ने भी अनुचित दबाव बनाया। हमें पुलिस की जांच पर भरोसा नहीं है।

मामले की सुनवाई से पहले पीडिता के वकील के रूप में सीमा कुशवाहा ने एफिडेविट दाखिल किया था। उन्होंने बताया कि अंतिम संस्कार के मुद्दे पर कोर्ट ने फटकार लगाई है। साथ ही वकील ने सवाल उठाया कि अभी तक जो परिवार के साथ सिक्योरिटी है, वह लॉ एंड ऑर्डर को लेकर है। आगे क्या पि. रवार की सिक्योरिटी सुनिश्चित की जाएगी। उल्लेखनीय है कि हाथरस में 14 सितंबर को 4 लोगों ने कथित रूप से 19 साल की लड़की के साथ गैंगरेप किया था। यह भी आरोप है कि उसकी रीढ़ की हड्डी तोड़ दी और जीभ भी काट दी थी। दिल्ली में इलाज के दौरान 29 सितंबर को पीडित की मौत हो गई। चारों आरोपी गिरफ्तार कर लिए गए हैं। हालांकि, फॉरेंसिक जांच में दुष्कर्म की पुष्टि नहीं हुई है।

कोर्ट ने प्रदेश के अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश अवस्थी, डीजीपी एचसी अवस्थी, एडीजी लॉ एंड ऑर्डर प्रशांत कुमार के अलावा हाथरस के डीएम और एसपी को तलब किया है। हाईकोर्ट में सरकार की तरफ से विनोद शाही ने पैरवी की, जबकि कोर्ट ने वरिष्ठ वकील जेएन माथुर को एमिकस क्यूरी (न्याय मित्र) बनाया है। सीबीआई की एंटी करप्शन ब्रांच ने हाथरस पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। जांच महिला डिप्टी एसपी सीमा पाहुजा कर रही हैं। सीबीआई ने रविवार को ही पुलिस से एफआईआर व दस्तावेज लिए हैं। सीबीआई इस मामले के सभी पहलुओं पर विस्तृत जांच करेगी।

क्रांति समय फाउंडेशन (NGO)

डीएम ने गौ आश्रय केंद्र का किया निरीक्षण अधूरा निर्माण देख भड़के कर्मचारियों को लगाई कड़ी फटकार

त्रिलोकपुर बाराबंकी (एजेंसी)। कोरोनॉ वायरस से छुटकारा पाकर काम पर लौट जिलाधिकारी डाक्टर आदर्श सिंह ने सोमवार को नेबलट फार्म स्थित जिले का सबसे बड़ा निर्माणाधीन वृहद पशु आश्रय केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान निर्माण कार्य की गति धीमी पाए जाने पर उन्होंने नारा. जगी जताते हुए संबंधित कार्यदायी संस्था को कार्य में तेजी लाने के शख्त निर्देश दिए। और गुणवत्ता

पर विशेष रूप से ध्यान रखने को कहा। उन्होंने कहा कि यदि गुणवत्ता में किसी प्रकार की कमी पाई गई तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। आपको बताते की जिले का सबसे बड़ा है गौ आश्रय बीडीओ बंकी के मुताबिक वृहद गौ सरणकधम केंद्र निबलेट फार्म जिले का सबसे बड़ा केंद्र है। वर्तमाना में यहां 376 जानवर है दो अतिरिक्त सेड जिसमे 100 जानवरो की क्षमता है जिसका निर्माण चल रहा है। जो क्रिटिकल गैप फंड से 29 लाख 84 हजार के अलावा मनरेगा से 7 लाख 50 हजार लग रहे है। इस दौरान मुख्य पशु चिकित्साधिकारी वीडियो बंकी एडीओ पंचायत मौजूद थे।

पुजारी कांड की कराये सीबीआई जांचःमुआवजा

हाथरस (एजेंसी)। राजस्थान के करौली जिले के गांव बुकना में जमीनी विवाद के चलते पुजारी को जिंदा जलाए जाने के मामले को लेकर आज ब्राह्मण एकता परिषद द्वारा राष्ट्रपति के नाम जिलाधि ाकारी को ज्ञापन सौंपा गया है

और उक्त कांड की कड़ी निंदा की गई है। ब्राह्मण एकता परिषद द्वारा राष्ट्रपति के नाम जिलाधि ाकारी को सौंपे ज्ञापन में कहा गया है कि राजस्थान के करौली जनपद की तहसील सपोटरा क्षेत्र के गांव बूकना निवासी एक मंदिर के पुजारी रामबाबू वैष्णव को दान में दी गई जमीन के विवाद के चलते उसे भूमाफियाओं द्वारा जिंदा जला दिया गया। उन्होंने कहा है कि ब्राह्मण एकता परिषद उक्त कांड की कड़ी निंदा करती है और दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग की है। साथ ही उन्होंने मांग की है कि घटना की सीबीआई जांच कराई जाए तथा एक सरकारी नौकरी दी जाए। परिवार की माली हालत को देखते हुए एक आवास व सुरक्षा प्रदान की जाए। हत्यारों को गिरतार किया जाए और लापरवाही बरतने वाले राजस्थान सरकार के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बर्खास्त कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाए। ज्ञापन में कहा गया है कि घटना के 4 दिन बीत जाने के बाद भी आज तक जिले के जिलाधिकारी एवं पुलिस कप्तान के घटना स्थल पर न जाने एवं पीड़ित परिवार को डराने व धमकी देने पर उन्हें तत्काल निलम्बित किया जाये और पीड़ित परिवार का मुकदमा फास्ट टेक कोर्ट में चलाया जाए और वरिष्ठ अधिवक्ताओं को निशुल्क नियुक्त किया जाए। ज्ञापन देने वालों में जिला अध्यक्ष रामनिवास रावत, नानक चंद पचौरी, रामकिशन शर्मा हनुमान गुरु, युवा समाजसेवी बौहरे प्रशांत शर्मा, अशोक शर्मा, विक्रम रावत, भूपेंद्र शर्मा आदि शामिल थे।

जिलाधिकारी एवं डीआईजी ने घाटमपुर उपचुनाव के क्रिटिकल बूथ सेंटरों का किया निरीक्षण

कानपुर नगर(संजय मौर्य) जिलाधिकारी कानपुर नगर एवं डीआईजी कानपुर नगर द्वारा

218 –घाटमपुर (अ0जा) विधान सभा उप निर्वाचन 2020 घाटमपुर क्षेत्र के क्रिटिकल पोलिंग बूथों का निरीक्षण किया गया ।उन्होंने प्राथमिक विद्यालय बरनांव क्षेत्र पतारा जनपद कानपुर नगर के पोलिंग बूथ का निरीक्षण करते हुए उपस्थित बीएलओ से वोटर लिस्ट मांगी गयी जिसके द्वारा वोटर लिस्ट उपलब्ध कराई गई ।जिलाधि ाकारी द्वारा विद्यालय में कितने बूथ है के विषय मे जानकारी की तो तहसीलदार घाटमपुर द्वारा अवगत कराया गया की यहां 4 बूथ है । विगत निर्वाचन अभी तक इस बूथ में शान्ति पूर्ण रूप से ही सम्पन्न हुए थे।जिलाधि ाकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि बूथों में पानी , बिजली , शौचालय की समुचित व्यवस्था हो तथा दिव्यांगजनों के लिए रैंप बने ।उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि विशेष तौर पर यह भी देखा जाए कोविड पॉजिटिव आने वाले व्यक्तियों को भी वोट डालने का मूल अधिकार है, इसके लिए उनकी सूची बनाते हुए उनके पोस्टल बैलेट के माध्यम से वोट डलवाए जाए ।

उन्होंने गांधी इंटर कालेज घाटमपुर, प्राइमरी पाठशाला वीरपुर आदि पोलिंग बूथों का निरीक्षण किया।

डीआईजी ने निर्देशित करते हुए कहा कि आदर्श आचार सहिंता का

अनुपालन कढ़ाई से कराना सुनिश्चित किया जाए, इसके लिए पर्याप्त मात्रा में पुलिस फोर्स बल लगाया जाए तथा कड़ी निगरानी रखी जाए । उन्होंने कहा कि कड़ी निगरानी रखते हुए अवैध शराब बिक्री पर रोक लगाई जाए इसके लिए लगातार छापेमारी की जाती रहे। पुलिस एक्टिव मोड़ में रहे। निरीक्षण के दौरान एसडीएम घाटमपुर, तहसीलदार घाटमपुर उपस्थित रहे।

सार–समाचार

कर्मचारी की संदिग्ध परिस्थितियों मे हुई मौत

उन्नाव एसके कपूर (यश) इंटरनेशनल फैक्ट्री में संदिग्ध परिस्थितियों में हुई कर्मचारी की मौत हो गई।आज सुबह फैक्ट्री की बस से ड्यूटी आया था कर्मचारी, दोपहर को फैक्ट्री के ही स्टाफ ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया। फैक्ट्री स्टाफ ने ही परिजनों को दी मौत की जानकारी।मृतक का नाम दिलीप पुत्र स्व. गोपीलाल निवासी नया खेड़ा कोतवाली गंगाघाट उन्नाव उम्र 35 वर्ष है।मृतक के पत्नी और बच्चों के सामने आया रोजी–रोटी का संकट।मृतक के चार बच्चे हैं जिनके नाम अमन(13),नेहा(11),सचिन(8) एवं शिवा(6) है।

सदर कोतवाली नवरात्रि,12 वफात, दशहरा धनतेरस दिवाली को देखते हुए आयोजित की गई पीस कमेटी

उन्नाव बैठक में मुख्य रूप से सिटी मजिस्ट्रेट, अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी नगर निरीक्षक कोतवाली, व सभी चौकियों के इंचार्ज मौजूद रहे।जिसमें सभी धर्मों के धर्मगुरु एवं शहर के संभ्रांत व्यक्ति एवं पत्रकार जनता जनार्दन भी मौजूद रहीं आगामी त्यौहारों

के मद्देनजर सभी को प्रदेश सरकार की गाइड लाइन के विषय में जागरूक किया गया।कि कैसे त्योहारों को मनाना है इस विषय में विशेष प्रकाश डाला गया।आए हुए सभी गणमान्य को दिशा निर्देश दिए गए।

कच्ची शराब की बिक्री पर अंकुश लगाने की पुलिस की कोशिश

उन्नाव एसपी आनंद कुलकर्णी जी के निर्देश पर।चुनाव को लेकर सभी को सतर्कता बरताने के दिशा निर्देश भी दिया।शक्ति के साथ जिला बदर अभियुक्त , अवैध तस्करी कच्ची शराब की बिक्री पर अन्य अवैध अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए दिशा निर्देश दिए गए।माखी थाना क्षेत्र में आज अवैध शराब व कच्ची शराब की धरपकड़ की गई।

जिसमें की अलग–अलग क्षेत्रों में 3 लोगों को गिरफ्तार किया गया।उनके पास से 80 लीटर कच्ची शराब बरामद हुई।मौके पर कच्ची शराब बनाने की भटिया को नष्ट भी किया गया।

भारतीय दलित पैंथर द्वारा सरकार द्वारा किये जा रहे निजीकरण/निगमीकरण के विरोध में मानव श्रृंखला बनाकर किया प्रदर्शन

कानपुर देहात भारतीय दलित पैंथर कानपुर देहात इकाई के तत्वाध ाान में आज सरकार द्वारा किए जा रहे निगमीकरण/निजीकरण के

विरोध में मानव श्रृंखला बनाकर विरोध प्रदर्शन किया गया जिसमें कानपुर देहात इकाई के सदस्यों ने बड़ी संख्या में शिरकत की प्रमुख रूप से पिंकू सचान अमर सिंह अंजनी संखवार प्रभु दयाल आदिम श्रीओमकठेरिया संतोष पैंथर योगेश कुमार भारत सिंह बुंदेला सिद्ध गोपाल आशीष अमित कुमार भूरे श्री बाबू अच्छन प्रधान सीताराम ट्रेलर राहुल भारती मनोज बाल्मीकि सुरेंद्र कुमार राहुल गौतम आदि लोग मौजूद रहे।'

निर्वस्त्र अवस्था में मिला महिला का शव शरीर पर चोट के निशान, आंखें भी निकालीं

बांदा(एजेंसी)। हाथरस, बलरामपुर, आजमगढ़ और बुलंदशहर में हैवानियत के बाद अब बांदा में एक 27 वर्षीया महिला निर्वस्त्र शव मिला है। महिला के शरीर पर मौजूद चोट के निशान उसके साथ हुई हैवानियत की दास्तां बयान कर रहे हैं। घटना जिले के बदौसा थाना क्षेत्र की है। मामले की छानबीन में जुटी पुलिस पति और ससुराल वालों पर हत्या का शक जाहिर कर रही है।

बंगालिपुरा गांव में सोमवार सुबह एक 27 वर्षीय महिला का शव खेत में पड़ा मिला। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक महिला की आंख भी निकाल ली गई थी। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। महिला का पति फरार चल रहा है। एएसपी महेंद्र प्रताप ने बताया कि 26–27 वर्ष की महिला की हत्या की गई है। जांच में पाया गया कि महिला का शव उसके घर से 500 मीटर की दूरी पर खेटून में पड़ा था। प्रारम्भिक जांच में ग्रामीण ाों से पता चला कि मृतक की सास से विवाद चल रहा था। घटना के बाद से पति भी फरार है। मामले में जांच कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पराली जलाने को एनजीटी ने माना दंडनीय अपराध, लगेगा जुर्माना

बस्ती (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले मे पराली जलाने वाले किसानों को खेत की माप के अनुसार पर्यावरण की क्षति पूर्ति के लिए आर्थिक दण्ड लगाया जाएगा। जिलाधिकारी आशुतोष निरंजन ने कहा कि राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) ने फसल अवशेष (पराली) का जलाया जाना दंडनीय अपराध घोषित कर दिया है।

पर्यावरण क्षति पूर्ति के लिए किसानों पर आर्थिक दण्ड लगाया जायेगा। उन्होंने बताया कि पराली जलाने वाले दो एकड़ से कम भूमि वाले किसानों के लिए 25 सौ प्रति घटना, दो से पांच एकड़ वाले किसानों से 5 हजार रूपया प्रति घटना,

पांच एकड़ से अधिक भूमि रखने वाले किसानों से 15 हजार रूपया प्रति घटना पर्यावरण क्षति पूर्ति के लिए शुल्क निर्धारित किया गया है। निरंजन ने किसानों से अपील करते हुए कहा कि किसान खेतो में पराली न जलाएं इससे उर्वरक शक्ति नष्ट में गिरावट आ जाती है और पैदावार की कमी हो जाती है

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हाथरस केस : पीड़ित परिवार ने रखी तीन मांग, हाईकोर्ट ने सरकार से पूछे कई सवाल

लखनऊ। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ में हाथरस मामले की सोमवार को सुनवाई हुई। अदालत ने प्रकरण की अगली सुनवाई के लिए दो नवंबर की तारीख तय की है। न्यायमूर्ति पंकज मित्तल और न्यायमूर्ति राजन रॉय की पीठ ने दोपहर बाद मामले की सुनवाई शुरू की इस दौरान पीड़ित परिवार अदालत में मौजूद रहा

इसके अलावा गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, अपर पुलिस महानिदेशक कानून व्यवस्था के साथ-साथ हाथरस के जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक भी अदालत में उपस्थित हुए। पीड़ित परिवार की वकील सीमा कुशवाहा ने बताया कि परिवार ने मांग की है कि सीबीआई की रिपोर्ट को गोपनीय रखा जाए।

हमारी दूसरी मांग थी कि मामला यूपी से बाहर ट्रांसफर किया जाए और तीसरी मांग यह है कि मामला जब तक पूरी तरह से खत्म नहीं होता तब तक परिवार को सुरक्षा प्रदान किया जाए। वहीं हाथरस मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच के समक्ष यूपी सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले अतिरिक्त महाधिवक्ता वी.के. शाही ने बताया कि कोर्ट ने पीड़ित परिवार के लोगों से पूछताछ की है।

हमारे उच्च अधिकारियों से भी कोर्ट ने पूछताछ की है। मामला अभी विचाराधीन है। मामले में अगली तारीख 2नवंबर है। पीड़ित परिवार ने मांग की है कि सीबीआई की रिपोर्ट को गोपनीय रखा जाए।

हमारी दूसरी मांग थी कि मामला यूपी से बाहर ट्रांसफर किया जाए और तीसरी मांग यह है कि मामला जब तक पूरी तरह से खत्म नहीं होता तब तक परिवार को सुरक्षा प्रदान किया जाए:

सहाथरस पीड़ित परिवार की वकील सीमा कुशवाहा हाथरस के जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार ने अदालत से कहा कि कथित बलात्कार पीड़िता के शव का रात में अंतिम संस्कार करने का फैसला कानून और व्यवस्था बनाए रखने के मद्देनजर किया गया था और ऐसा करने के लिए जिला प्रशासन पर प्रदेश शासन का कोई दबाव नहीं था। पीठ ने मामले की अगली सुनवाई की तारीख दो नवंबर नियत की। राज्य सरकार की तरफ से अपर महाधिवक्ता वीके साही अदालत में मौजूद रहे। इससे पहले, हाथरस मामले में जान गंवाने वाली 19 वर्षीय दलित लड़की के माता-पिता समेत पांच परिजन कड़ी सुरक्षा के बीच सोमवार सुबह छह बजे हाथरस से लखनऊ रवाना हुए और दोपहर बाद अदालत परिसर पहुंचे।

गत 14 सितंबर को हाथरस जिले के चंदपा थाना क्षेत्र में 19 साल की एक दलित लड़की से अगड़ी जाति के चार युवकों ने कथित रूप से सामूहिक बलात्कार किया था।

इस घटना के बाद हालत खराब होने पर उसे अलीगढ़ के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बाद में उसे दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया था जहां गत 29 सितंबर को उसकी मृत्यु हो गई थी। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने गत एक अक्टूबर को हाथरस कांड का स्वत: संज्ञान लेते हुए प्रदेश के गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक और अपर पुलिस महानिदेशक, जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक हाथरस को घटना के बारे में स्पष्टीकरण देने के लिए 12 अक्टूबर को अदालत में तलब किया था।

बीजेपी में शामिल हुई खुशबू सुंदर, बोलीं- देश को आगे बढ़ाने के लिए पीएम मोदी जैसे नेता की जरूरत

नई दिल्ली। अभिनेता से नेता बनी खुशबू सुंदर ने आज दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (BJP) की सदस्यता ग्रहण कर लीं। इस दौरान बीजेपी के प्रवक्ता संबित पात्रा भी मौजूद रहे। आपको बता दें कि खुशबू सुंदर को आज ही कांग्रेस पार्टी ने प्रवक्ता पद से हटा दिया था। इसके बाद उन्होंने सोनिया गांधी को पत्र लिखकर अपना इस्तीफा भेज दिया। बीते कुछ समय से उनके बीजेपी ज्वाइन करने की अटकलें चल रही थीं।

बीजेपी में शामिल होने पर खुशबू सुंदर ने कहा कि अगर राष्ट्र को आगे बढ़ना है तो हमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जैसे नेता की जरूरत है जो देश को सही दिशा में ले जाए।

खुशबू के बीजेपी में शामिल होने से अगले वर्ष के लिए तमिलनाडु में होने वाले विधानसभा चुनाव में पार्टी को काफी फायदा मिलने की संभावना है। बीजेपी उन्हें स्टार प्रचारक के तौर पर पेश कर सकती है।

इससे पहले, सुंदर ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को अपना त्याग पत्र भेजा, जिसमें उन्होंने कहा, कुछ लोग जो पार्टी के भीतर उच्च स्तर पर बैठे हैं, वे जमीनी

हकीकत या सार्वजनिक मान्यता के साथ कोई जुड़ाव नहीं रखते हैं। वे शर्तों को निर्धारित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की ताकतों के कारण उनके जैसे लोग जो पार्टी के लिए ईमानदारी काम करना चाहते थे, उन्हें ऐसा नहीं करने दिया गया। खुशबू सुंदर ने पार्टी प्रमुख, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और अन्य सभी कांग्रेस नेताओं को भी धन्यवाद दिया।

वह 2014 से कांग्रेस से जुड़ने वाली खुशबू सुंदर 2018 में तेलंगाना विधानसभा चुनावों के दौरान रैलियों का नेतृत्व करने वाले स्टार प्रचारकों में से एक थीं। उन्होंने तब कहा था कि उनकी पार्टी संसद में महिला आरक्षण बिल पेश करने वाली पहली पार्टी थी। इस दौरान उन्होंने सत्तारूढ़ एनडीएस सरकार के खिलाफ जमकर बोला था।

शोपियां में तीन शिक्षकों पर पीएसए, छात्र और पूर्व छात्र आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्त पाए गए

एजेंसी, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सोमवार को कहा कि इसने शोपियां जिले में एक मदरसे के तीन शिक्षकों पर कड़े जन सुरक्षा कानून (पीएसए) के तहत मामला दर्ज किया है। इसके छात्रों और पूर्व छात्रों के आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने के बाद उन पर मामला दर्ज किया गया। इसके पूर्व छात्रों में सज्जाद भट भी शामिल है, जो फरवरी 2019 में पुलवामा में सीआरपीएफ के काफिले पर आत्मघाती हमला करने का आरोपी है। हमले में बल के 40 जवान शहीद हो गए थे। कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) विजय कुमार ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि स्कूल प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी से संबद्ध है। कुमार ने संवाददाताओं से कहा, स्कूल का नाम सिराज उलूम इमाम साहिब है। ऐसा नहीं है कि इस स्कूल पर नजर नहीं थी। हमने स्कूल के तीन शिक्षकों अब्दुल अहद भट, रउफ भट और मोहम्मद युनुस वानी पर पीएसए के तहत मामला दर्ज किया है। उन्होंने कहा कि स्कूल के करीब आधा दर्जन अन्य शिक्षकों पर नजर रखी जा रही है। आईजीपी ने कहा, स्कूल के पांच-छह शिक्षकों (के व्यवहार पर) नजर है (सीआरपीसी की धारा 107 के तहत)। मूलत: स्कूल जमात ए इस्लामी से संबद्ध है। इस पर नजर है और फिलहाल हम व्यक्तियों पर कार्रवाई कर रहे हैं और जरूरत पड़ने पर हम स्कूल के खिलाफ कार्रवाई करेंगे। आपराधिक दंड संहिता (सीआरपीसी) की धारा 107 किसी तरह की शांति भंग होने की आशंका से जुड़ी हुई है। दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले में यह मदरसा जांच एजेंसियों की नजर में तब आया जब इसके 13 छात्र आतंकवादी संगठनों में शामिल पाए गए। अधिकारियों ने बताया कि स्कूल में अधिकतर छात्र कुलगाम, पुलवामा और अनंतनाग जिलों के हैं।

बदलते मौसम के साथ दिल्ली में प्रदूषण की दस्तक, नियंत्रण करने में जुटी सरकार

दिल्ली में फिर से प्रदूषण का मौसम आ गया है। अक्टूबर-नवंबर आते ही दिल्ली की हवा में बदलाव आने लगते हैं। दिल्ली में प्रदूषण को कंट्रोल करने की सरकार की कोशिशें भी शुरू हो गई है। नई रिसर्च की मदद से दिल्ली में आने वाले प्रदूषण का काबू करने पर विचार किया जा रहा है।

बिहार में हैवानियत, चार दिनों में दो नाबालिग समेत 3 से गैंगरेप, 14 में से अब तक 8 आरोपी गिरफ्तार

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले सुरक्षाबलों की सख्ती के बीच दुष्कर्मियों के हौसले बुलंद हैं। प्रदेश में बीते चार दिनों के भीतर तीन गैंगरेप की घटना घटी है। हैवानियत की यह घटना एक महिला और दो नाबालिग पीड़ित है। पहली घटना फतुहा थाना क्षेत्र के एक गांव में घटी जहां पांच दरिंदों ने नाबालिग को अपनी हवस का शिकार बनाया। दूसरी घटना बक्सर के डुमरांव अनुमंडल के मुरार थाना क्षेत्र में घटी। जहां छह साल के बेटे संग रुपये जमा कराने बैंक जा रही 32 वर्षीया महिला के साथ 5 युवकों ने गैंगरेप किया और उसके मासूम बेटे की हत्या भी कर दी। तीसरी घटना दानापुर में घटी जहां ट्रेन पकड़ने जंक्शन जा रही नाबालिग की मदद करने के बहाने एक ऑटो ड्राइवर ने अपने तीन अन्य साथियों के साथ अपनी हवस का शिकार बनाया। तीनों मामले में अबतक आठ आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। वहीं पुलिस अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी का प्रयास कर रही है।

फतुहा में किशोरी से पांच युवकों ने किया गैंगरेप

फतुहा थाना क्षेत्र के एक गांव में शुक्रवार की देर रात शौच के लिए निकली किशोरी को गांव के ही पांच युवक उठाकर सुनसान इलाके में ले गए और दुष्कर्म किया। दुष्कर्मियों ने किसी को बताने पर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी थी।

घर पहुंचने पर पीड़िता ने घटना की जानकारी दी। शनिवार को परिजनों के साथ फतुहा थाने पहुंची किशोरी ने पांच को आरोपित करते हुए मामला दर्ज कराया। पीड़िता का बयान शनिवार को कोर्ट में कलमबंद कराया गया। ग्रामीण एसपी कांतेश कुमार मिश्रा ने बताया कि चार नामजद आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

नुकीले हथियार से आंख फोड़ी, खेत में निर्वस्त्र कर फेंकी लाश

बांदा में महिला की हत्या

बदौसा (बांदा)। बदौसा में महिला की निर्मम हत्या कर दी गई। सोमवार सुबह घर से करीब तीन सौ मीटर दूर खेत में निर्वस्त्र लाश मिली। नुकीले हथियार से उसकी आंख फोड़ी गई थी। गले व कमर में भी नुकीला हथियार धंसाया गया था।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अतर्रा के बर्तन व्यापारी रामभवन ने 2015 में अपनी बेटी सुनीता (28) की शादी बदौसा के पौहार रोड बंगाली पुरवा निवासी भैरमदीन से की थी।

सुनीता ने शादी के दूसरे साल एक बेटी को जन्म दिया। बेटी के जन्म के बाद से ही सास और पति उसे प्रताड़ित करने लगे। इस पर मायके वाले नातिन का जिम्मा उठाते हुए उसे ननिहाल ले आए। ससुराल में विवाहिता अलग रहने लगी। सास रानीबाई और पति एक साथ रहने लगे। सुनीता ने अपने भरण-पोषण के लिए फैमिली कोर्ट में केस किया है। सोमवार सुबह घर से करीब 300 मीटर दूर उसकी निर्वस्त्र लाश एक खेत में पड़ी मिली। लाश से थोड़ी दूर पर उसकी चप्पलें, मोबाइल फोन, एक लोटा, प्लास्टिक के गिलास, देसी शराब और पानी के पाउच भी पड़े मिले। सुनीता की दाईं आंख को नुकीले हथियार से फोड़ा गया था। गर्दन और कमर में भी नुकीला हथियार धंसाने के निशान मिले। शरीर पर नाखून और मारने-पीटने के कई निशान मिले। सूचना पर पहुंची बदौसा पुलिस ने सास की शिनाख्त के बाद लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मायके पक्ष को लाश तक नहीं दिखाई गई। बदौसा थाना प्रभारी ने बताया कि सुनीता की मां की तहरीर पर सास और पति के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज की गई है। पति फरार है जिसकी तलाश की जा रही है।

टूटी चूड़ियां से मारपीट की पुष्टि

खेत में विवाहिता की लाश मिलने के बाद पुलिस उसके कमरे में गई तो बाहर से ताला बंद था। ताला तुड़वाकर अंदर देखा गया तो वहां भी टूटी चूड़ियां और सिर के नोंचे बाल पड़े मिले। इससे साफ था की पहले कमरे में ही उससे मारपीट की गई थी। फिर रात में उसके बाहर निकलने पर खेत में हत्या कर दी गई। सुनीता के छोटे भाई ने बताया कि रात आठ बजे बहन ने फोन कर मारपीट की बात बताई थी। पड़ोसियों ने बताया कि रात नौ बजे के करीब विवाहिता खेत की ओर गई थी, इसके बाद उसे लौटते नहीं देखा।

मां बोली, बेटा दो दिन से बाहर

मायके पक्ष ने सुनीता के पति और सास पर हत्या की आशंका जताते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है। सास ने बताया कि बेटा काम की तलाश में दो दिन से बाहर है। फोन मिलाने पर उसका मोबाइल बंद मिला। आस-पड़ोस के लोगों ने बताया कि लॉकडाउन के बाद से वह कहीं भी काम नहीं कर रहा था। रविवार शाम गांव ही दो लोगों के साथ उसको शराब पीते देखा गया था।

बिना फॉरेंसिक टीम बुलाए लाश उठाई

ग्रामीणों ने खेत में लाश सुबह करीब छह बजे देखी थी। सूचना के आधे घंटे के अंदर बदौसा थाना प्रभारी फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। घटनास्थल पर मिले साक्ष्य को सील करा बिना फॉरेंसिक टीम बुलाए उन्होंने लाश पोस्टमार्टम के लिए भेज दी। इसकी जानकारी सीओ को हुई तो उन्होंने नाराजगी भी जताई। मायके वालों को ग्रामीणों के जरिए बेटी के मारे जाने की खबर मिली।

मकान बिकने में थी बाधा

सुनीता की चित्रकूट निवासी बड़ी बहन ने बताया कि बदौसा स्थित बहन की ससुराल का घर रोड किनारे है। अच्छी कीमत मिलने की लालच में ससुरालवाले घर को बेचना चाहते थे, लेकिन बहन उसमें रोड़ा बनी थी। बहन घर बिकने नहीं दे रही थी, जिसको लेकर कई बार बहन को मारपीटा भी गया। आशंका जताई की कि मकान न बिक पाने पर सास और उसके पति ने ही हत्या की।

हत्या की जगह बनी पहेली, कपड़े नहीं मिले

सुनीता के कमरे और घटनास्थल पर खून के निशान नहीं मिले। इससे साफ है कि हत्या इन दोनों जगह पर नहीं की गई। थाना प्रभारी ने भी इस पर सहमति जताते हुए कहा कि हत्या कहीं और की गई। आशंका जताई गई कि हत्या में और भी लोग शामिल हो सकते हैं। सुनीता के भाई ने आरोपित पति, उसके दो बुआ के लड़के और गांव के ही उसके एक दोस्त के भी हत्या में शामिल होने की आशंका जताई है।

कर्वी-बांदा राजमार्ग जाम करने की कोशिश

सुनीता की लाश सीलकर पोस्टमार्टम के लिए भेजी जा रही थी तभी उसके मायके के लोग और ग्रामीण पहुंच गए। घटना से आक्रोशित लोगों ने गाड़ी से लाश को जबरन उतरवा लिया। खुलासा और हत्यारोपित की गिरफ्तारी की मांग को लेकर एनएच-76 कर्वी-बांदा राजमार्ग को जाम करने की कोशिश की। लोगों का आक्रोश देख सीओ सत्यप्रकाश ने स्थिति संभाली। उन्होंने कहा आश्वासन दिया कि हत्यारोपितों की गिरफ्तारी और पूर्ण खुलासे के बाद ही थाने से हटेंगे, तब लोग मानें।

सास समेत पांच हिरासत में

एसपी और एएसपी दिन में करीब पौने बारह बजे घटनास्थल पहुंचे। मौका मुआयना के बाद थाना प्रभारी को जल्द खुलासे के निर्देश दिए। नामजद हत्यारोपित की गिरफ्तारी को पुलिस ने संभावित ठिकानों पर दबिश भी दी। लेकिन देर शाम तक कोई कामयाबी हाथ नहीं लगी। सास और उसके चार करीबियों को पुलिस ने पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है।

दुनिया में हो रही थी तारीफ अब कोरोना का हब बन गया केरल, जानिए कहां हो गई गलती

तिरुवनंतपुरम। करोना संहारक, रॉक स्टार हेल्थ मिनिस्टर... अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने केरल की स्वास्थ्य मंत्री केके शैलजा की कोरोना के खिलाफ जंग में सफलता को लेकर ऐसे कई उपनाम देकर सराहना की थी। यह कहा गया कि कम्युनिस्ट शासन वाला राज्य कोरोना महामारी से जूझ रहे पश्चिमी देशों के लिए रोल मॉडल है। इस बीच मई में राज्य सरकार ने यह भी दावा कर दिया कि इसने वायरस के कर्व को फ्लैट कर दिया है। लेकिन यह सब अब बीते समय की बात है। आंकड़े अब केरल की अलग ही कहानी कह रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के डेटा के मुताबिक केरल तेजी से वायरस का हब बन रहा है। कम मृत्यु दर के अलावा अन्य सभी संकेतक राज्य सरकार की चिंता बढ़ाने वाले हैं। राज्य में टेस्ट पॉजिटिविटी रेट (टीपीआर) राष्ट्रीय औसत के लगभग दोगुना है। राष्ट्रीय औसत 8.4 फीसदी का है तो केरल में यह दर 15.6 पर्सेंट है। पिछले एक सप्ताह में 50 हजार एक्टिव केस बढ़े हैं। देश के बाकी राज्यों में नए केस 1 फीसदी की दर से बढ़ रहे हैं, जबकि केरल में यह 3 फीसदी है, जबकि प्रति 10 लाख आबादी पर टेस्ट के मामलों में राज्य 15वें नंबर पर है।

राज्य के जनसंख्या घनत्व (859 लोग प्रति स्क्वॉयर किलोमीटर) और बुजुर्गों की अधिक संख्या (20 फीसदी की उम्र 65 वर्ष से अधिक) को देखते हुए चिकित्सा विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि यह राज्य के लिए काफी कठिन होने वाला है। जानकारों का कहना है कि राज्य सरकार के अति आत्मविश्वास, कम टेस्टिंग दर और जनसंपर्क अभियान ने सरकार को इस हालात में पहुंचाया है। हालांकि, स्वास्थ्य मंत्री ने कहा है कि स्थिति इतनी खराब नहीं है।

सरकार की छवि खराब करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा, 'हम स्वीकार करते हैं कि केस बढ़ रहे हैं। हमें इसकी उम्मीद थी। लेकिन राज्य में मृत्यु दर सबसे कम है। यह 0.5 पर्सेंट से भी कम है। हमारे हस्तक्षेप ने वायरस आउटब्रेक को लेट किया और हमें तैयारी का पर्याप्त समय मिल गया।'' उन्होंने कहा कि जब लॉकडाउन था तब कोरोना नंबर नियंत्रण में थे, लेकिन जब लोग विदेशों और दूसरे राज्यों से आने लगे तो स्थिति बदल गई।

शैलजा ओनम त्योहार (अगस्त) के दौरान छूट को अचानक तेजी की वजह बताती हैं। उन्होंने कहा, 'हम हमेशा लॉकडाउन में नहीं रह सकते हैं। लोगों को बाहर जाकर काम करना होगा। नहीं तो वे भूखे रह जाएंगे। लेकिन एक बार जब नियमों में ढील दी गई लोगों ने इसे हल्के में ले लिया। आप इसके लिए सरकार को दोषी नहीं ठहरा सकते।'' उन्होंने यह भी कहा कि विपक्षी दल और अन्य (कुछ डॉक्टर और मीडिया) सरकार में खामियां निकालने की कोशिश में जुटे हैं। उन्होंने कहा कि अगले सप्ताह तक डेली केस 15 हजार से ऊपर तक जा सकते हैं और राज्य सरकार इसके लिए तैयार है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौर्या (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)